दैनिक
साधना एक्सप्रेस

वर्ष-4 | अंक -250 | sadhnaexpress@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार, 4 सितंबर, 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये | www.sadhnaexpress.com

देश में तेजी से हो रहा धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन का विकास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को गुजरात की देवभूमि द्वारका के पावन द्वारकाधीश मंदिर पहुंचकर सपत्नीक भगवान श्री द्वारकाधीश के अलौकिक रूप का दर्शन एवं विधि-विधान से पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान द्वारकाधीश से सभी प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मनाई जाने वाली जन्माष्टमी से पहले देश-प्रदेशवासियों को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म पर्व के हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सीमा यादव एवं अन्य परिजनों सहित सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय के डॉ. इलैया राजा टी. भी उपस्थित थे।

मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा

भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन-पूजन के बाद मंदिर परिसर के बाहर स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज वे सपरिवार द्वारिका आये हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश के उज्जैन और गुजरात की द्वारिका नगरी सहित देशभर में लगातार धार्मिक पर्यटन के नए कीर्तिमान गढ़े जा रहे हैं। उज्जैन में श्री महाकाल लोक के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या 20 गुना बढ़ गई है। वर्तमान में लगभग 10 करोड़ से अधिक तीर्थ यात्री उज्जैन आ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कर कमलों से उज्जैन में बाबा महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद बनारस में भी काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरीडोर का निर्माण हुआ, जिससे बाबा विश्वनाथ की नगरी में धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिली हैं।

जन्माष्टमी से पहले भगवान श्री द्वारकाधीश के दर्शन का मिला सौभाग्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि द्वारकाधीश मंदिर आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित सनातन संस्कृति के चार धामों में से एक प्रमुख तीर्थ है। जन्माष्टमी से ठीक पहले भगवान श्री द्वारकाधीश के भव्य दर्शन का अवसर मिलना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुछ समय पहले ही वे सोमनाथ धाम गये थे। इसके बाद आज द्वारका के प्रसिद्ध श्री द्वारकाधीश मंदिर में विधिवत् दर्शन-पूजन-अर्चन कर यहां की सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। हम भी अपने देवस्थानों में बेहतर से बेहतर प्रबंधन की सभी व्यवस्थाएं कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

तेलंगाना के सीएम ने मंत्री पर लिया एक्शन, बेटी ने लगाए थे आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी | तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंत्री कोंडा सुरेखा को तुरंत प्रभाव से कैबिनेट से हटा दिया है. इस संबंध में राज्यपाल को सिफारिश भेजी गई थी. तेलंगाना की वन मंत्री कोंडा सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता पटेल ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य नेताओं के खिलाफ टिप्पणी की थी, इसपर विवाद गहरा गया था.

इसके बाद कांग्रेस के कई विधायकों ने पार्टी नेतृत्व से आग्रह किया था कि सुरेखा की बेटी की तरफ से मुख्यमंत्री रेड्डी और अन्य नेताओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों के मामले में एक्शन लिया जाए.

इस बीच कोंडा सुरेखा ने बुधवार (2 सितंबर) को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और तेलंगाना कांग्रेस की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन से मुलाकात की. इसके बाद सुरेखा ने कहा था कि पार्टी आलाकमान ने उन्हें भरोसा दिलाया कि उनके उठाए गए मुद्दों पर विचार किया जाएगा और उचित सोच-विचार के बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा.

कोंडा सुष्मिता पटेल ने वारंगल जिले के परकल में अपनी मां के जन्मदिन के जश्न के सीएम और उनके परिवार के खिलाफ कहा कि उन लोगों को वो भूल गए हैं जिन्होंने उनके राजनीतिक उदय में मदद की थी. उन पर शेल कंपनियों के जरिए राज्य को लूटने का आरोप भी लगाया. इसके बाद मामला पार्टी की अनुशासन समिति के पास गया.

दिल्ली जल बोर्ड एसटीपी घोटाले में सत्येंद्र जैन को राहत, मिली जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी | दिल्ली सरकार में मंत्री रहे सत्येंद्र जैन को राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कोर्ट ने उन्हें 2 लाख रुपये के मुचलके पर जमानत दे दी है. आम आदमी पार्टी के नेता जैन पर दिल्ली जल बोर्ड STP घोटाले में संलिप्त होने के आरोप हैं. सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से वकील एन हरिहरन ने दलील रखते हुए कहा था कि उनकी गिरफ्तारी मामले दर्ज होने के 27 महीने बाद की गई, जिस दौरान उन्हें केवल एक बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था और जब उन्हें दोबारा बुलाया गया तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. सत्येंद्र जैन के वकील ने कहा कि मामले की सभी सामग्री दस्तावेजी प्रकृति की है और सभी प्रासंगिक सामग्री पहले ही जांच एजेंसियों द्वारा कब्जे में ली जा चुकी है, जबकि एसीबी ने आरोप लगाया कि सत्येंद्र जैन आदतन अपराधी हैं, ACB ने कहा कि जमानत अर्जी पर फैसला करते समय इन मुद्दों पर विचार किया जाना चाहिए. सत्येंद्र जैन को दिल्ली जल बोर्ड की एसटीपी परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने 18 अगस्त को गिरफ्तार किया था. उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था. वहीं, एसीबी ने जमानत का विरोध करते हुए अदालत के समक्ष दावा किया कि सत्येंद्र जैन आदतन अपराधी हैं. जांच एजेंसी ने कहा कि जमानत याचिका पर फैसला करते समय इस पहलू को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए.

पप्पू यादव की बढ़ीं मुश्किलें! कोर्ट ने दिया अंतिम अवसर, 20 सितंबर को प्रयागराज में पेशी

प्रयागराज, एजेंसी | पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के खिलाफ प्रयागराज की एसीजेएम अदालत में दाखिल परिवाद में गुरुवार को दूसरे गवाह का बयान भी दर्ज किया गया। दोनों गवाहों की गवाही पूरी होने के बाद अदालत ने पप्पू यादव को कोर्ट में हाजिर होने का अंतिम अवसर दिया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 सितंबर 2026 की तारीख तय की है।

इस मामले में इससे पहले 25 अगस्त को एक गवाह का बयान अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दर्ज किया गया था। गुरुवार को दूसरे गवाह अजय कुमार तिवारी, अधिवक्ता का बयान

में प्रस्तुत किए गए थे।

दोनों गवाहों के बयान दर्ज होने के बाद अदालत ने मामले की आगे की कार्रवाई के लिए पप्पू यादव को अदालत में हाजिर होने का अंतिम अवसर दिया है।

सुनवाई के दौरान सांसद पप्पू यादव स्वयं या उनकी ओर से कोई अधिवक्ता अदालत में उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद न्यायालय ने अपने कार्यालय को निर्देश

यह परिवाद अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में दान राशि चोरी की घटना के बाद संसद भवन के सामने किए गए एक प्रदर्शन से जुड़ा है। परिवादी सुशील कुमार मिश्रा का आरोप है कि पप्पू यादव ने संसद भवन के सामने साधु-संतों और पुजारियों की छद्म वेशभूषा धारण कर, गले में तख्ती लगाकर और नकली दानपात्र रखकर प्रदर्शन किया था।

2 किलो सोना, 6 किग्रा चांदी, करोड़ों की कीमत वाली इमारतें और प्रॉपर्टी, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के ईओ के घर मिला कुबरे का खजाना

तिरुपति, एजेंसी | आंध्र प्रदेश के भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो ने गुरुवार को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के उप कार्यकारी अधिकारी (ईओ) मेंदु लोकनाथम को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई टीटीडी को सप्लाई किए गए घी में कथित मिलावट की जांच के सिलसिले में उनसे जुड़े परिसरों की तलाशी के बाद की गई। एसीबी ने गुरुवार को लोकनाथम के घर, कार्यालय और अन्य परिसरों में तलाशी पूरी करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। टीटीडी अधिकारी को बाद में एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मेंदु लोकनाथम वर्तमान में तिरुमाला मंदिर के उप कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यरत

हैं। खबरों के अनुसार, उन्होंने पूर्व वाईएसआरसीपी सरकार में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया था। एसीबी अधिकारियों ने बुधवार को तिरुपति जिले में लोकनाथम से जुड़े चार परिसरों पर एक साथ छापेमारी की। उन्होंने संपत्ति संबंधी दस्तावेज, 12 लाख रुपये नकद, 2 किलो सोना, 6.5 किलो चांदी और अन्य सामग्री सहित सबूत जब्त किए। तिरुपति के पेद्दाकापु लेआउट स्थित लोकनाथम के आवास, उनकी पत्नी के भाइयों मुनिकृष्णा और रमेश के आवासों और येरपेडु मंडल में उनके छोटे भाई के घर पर तलाशी ली गई।

मनीष ब्रह्मभट्ट ने बनाई सीजेपी -डेमोक्रेटिक

नई दिल्ली, एजेंसी| पेपर लीक और युवाओं की बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों के खिलाफ बनी कॉकरोच जनता पार्टी अंदरूनी कलह का शिकार हो गई। मनीष ब्रह्मभट्ट ने गुरुवार यानी 3 सितंबर को दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक (CJP-D) नाम से एक नए संगठन के गठन का ऐलान किया। ब्रह्मभट्ट ने CJP के प्रमुख अभिजीत दिपके पर आंदोलन को राजनीतिक रूप से बेचने और इसे 'टीम केजरीवाल' में बदलने का गंभीर आरोप लगाया है।

मणिपुर कांग्रेस नेता के घर के बाहर बम ब्लास्ट

नई दिल्ली, एजेंसी | मणिपुर के थौबल जिले के यारइपोक इलाके में राज्य कांग्रेस विधायक केइशम मेघाचंद्र सिंह के घर के पास 3 सितंबर रात करीब 8:15 बजे बम ब्लास्ट हुआ है. पुलिस मौके पर पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है. पुलिस के अनुसार एक अज्ञात शख्स ने कांग्रेस नेता मेघाचंद्र सिंह के घर पर विस्फोटक फेंका. राहत की बात रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है.

केइशम मेघाचंद्र सिंह मणिपुर कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं. हाल ही पार्टी ने उनकी जगह तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके ओकराम इबोबी सिंह को मणिपुर कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया है. वहीं मेघाचंद्र सिंह को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता

नियुक्त किया गया.

विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता केइशम मेघचंद्र सिंह ने एक दिन पहले 2 सितंबर 2026 को राज्य सरकार से जातीय हिंसा को लेकर सवाल किया था. इसके जवाब में मणिपुर के गृह मंत्री कोंथौजम गोविंदस सिंह ने कहा कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सभी को आगे आना चाहिए.

गृह मंत्री ने कहा कि राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के लिए समाज के सभी वर्गों को अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए और मानवता की भावना को बनाए रखना चाहिए. सदन में चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, 'राज्य में शांति बहाल करने के लिए हम सभी को जिम्मेदारी उठानी चाहिए और मानवता की भावना अपनानी चाहिए.उन्होंने पूरे मणिपुर के धार्मिक और सामुदायिक नेताओं से भी अपील की कि वे आगे आएं और अलग-अलग समुदायों के बीच भरोसे की कमी को दूर करने और समाधान खोजने में रचनात्मक भूमिका निभाएं.'

राघव चड्ढा ग्लोबल कॉन्फ्रेंस में भारत का करेंगे प्रतिनिधित्व, कहा- मैं आभारी हूं

नई दिल्ली, एजेंसी | उज्बेकिस्तान में युवा सांसदों का वैश्विक सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे बीजेपी से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व करने को लेकर भारत के उपराष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया है. यह सम्मेलन 4 से 6 सितंबर तक समरकंद में चलेगा. उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए बयान जारी करते हुए बयान दिया है.

राघव चड्ढा ने गुरुवार को अपने बयान में कहा, '4 से 6 सितंबर तक समरकंद उज्बेकिस्तान में होने वाले इंटर पार्लियामेंट्री यूनियन ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑफ यंग पार्लियामेंटेरियंस के 12वें संस्करण में भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने जाने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं. इस प्रतिनिधिमंडल के लिए मुझे नामित करने के लिए मैं भारत के माननीय उपराष्ट्रपति का आभार व्यक्त करता हूं.'

उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, 1889 में स्थापित और जिनेवा में हेडक्वार्टर IPU राष्ट्रीय संसदों का दुनिया का सबसे पुराना और सबसे बड़ा संगठन है. इसमें 180 सदस्य संसदों और 15 सहयोगी सदस्य शामिल हैं. राघव ने कहा, 'इस साल की विषय है कि मुश्किल दौर में सभी के लिए मानवाधिकारों, न्याय और सम्मान को फिर से स्थापित करना. तीन दिनों तक चलने वाले सम्मलेन में दुनिया भर के युवा विधायक संघर्ष के दौरान युवाओं के अधिकारों, डिजिटल अधिकारों और ऑनलाइन सिक्योरिटी, क्लाइमेट के प्रति लचीलेपन और न्याय, एवं युवाओं के लिए आर्थिक अवसरों पर चर्चा करेंगे.'

5 करोड़ में रेप केस डील! सीएम भगवंत मान पर बीजेपी का गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी | गुरुवार को बीजेपी ने एक गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और उनकी पत्नी बिचौलियों के ज़रिए एक रैकेट चला रहे थे, जिसमें 5 करोड़ रुपये के बदले रेप के मामलों को सुलझाया जा रहा था। बीजेपी के ये आरोप इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर गुरविंदर सिंह चहल से जुड़े एक मामले से संबंधित हैं, जिन्हें एक महिला के अपहरण और रेप के आरोप में गिरफ़्तार किए जाने के सिर्फ़ दो महीने बाद ही रिहा कर दिया गया था।

राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने ऑडियो रिकॉर्डिंग और दस्तावेज़ पेश किए। उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर आपराधिक जांच को खत्म करने के लिए ऊंचे स्तर

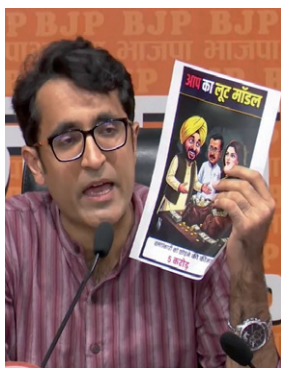

पर दखलंदाज़ी का सौदा किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि आज हम आपके सामने जो दो मुद्दे रख रहे हैं, वे देश के आम नागरिकों से जुड़े हैं। अगर आप यहां इस तस्वीर को देखें, तो आपको तीन लोगों की तस्वीरें दिखेंगी। एक हैं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, दूसरे हैं पंजाब के 'सुपर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल' और तीसरे व्यक्ति हैं पंजाब के मुख्यमंत्री की पत्नी।

बीजेपी ने आगे दावा किया कि न्याय व्यवस्था में हेरफेर करने के लिए बिचौलियों के ज़रिए गैर-कानूनी वित्तीय लेन-देन किया जा रहा था। कथित तौर पर पैसे के लेन-देन के बारे में विस्तार से बताते हुए भंडारी ने कहा कि हम आपके लिए जो ऑडियो रिकॉर्डिंग चलाने जा रहे हैं और जो सबूत हमारे सामने आए हैं, वे इस बात की ओर इशारा करते हैं कि पंजाब में भगवंत मान जबरन वसूली और भ्रष्टाचार का एक नया रैकेट चला रहे हैं। इस भ्रष्टाचार रैकेट के तहत, उन पर और उनकी पत्नी पर बिचौलियों के ज़रिए मामले खत्म करने के लिए - जिसमें रेप के सही मामले भी शामिल हैं - प्रति व्यक्ति 5 करोड़ रुपये तक की रिश्वत लेने के आरोप हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिले विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष और तनाव के दौरान गुरुवार (3 सितंबर, 2026) को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की. यूक्रेन की राजधानी कीव की यात्रा पर गए विदेश मंत्री जयशंकर ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से हुई मुलाकात को लेकर हर्ष जताया है. इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर दी है.

उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रिय सिबिहा के साथ हुई मुलाकात के बारे में भी बताया. जयशंकर ने कहा कि उन्होंने यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्रिय सिबिहा के साथ भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय सहयोग को और ज्यादा

मजबूत करने को लेकर गंभीर चर्चाएं कीं. उन्होंने कहा कि हमारी बातचीत का मुख्य केंद्र रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष को खत्म करने के तरीकों और संभावित विकल्पों पर रहा.

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साल 2022 के फरवरी महीने से लगातार जारी रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म करने के लिए भारत की तरफ से मदद करने की पेशकश की है. उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं. अगर जरूरत पड़ी तो भारत मध्यस्थता के लिए तैयार है.

जयशंकर ने भारत की तरफ से इस मदद की पेशकश यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रिया सिबिहा के साथ राजधानी कीव में गुरुवार (3 सितंबर, 2026) को द्विपक्षीय चर्चा के बाद मीडिया को संबोधित करने के दौरान की. इस दौरान उन्होंने पत्रकारों को यह भी जानकारी दी कि भारत और यूक्रेन के मंत्रियों के बीच ब्लैक शी में कमर्शियल जहाजों पर हो रहे हमलों को लेकर भी गंभीर रूप से चर्चा की है.

सरला भट हत्या मामले में यासीन मलिक ने मांगी मौत की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी | जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक ने 1990 में कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट के अपहरण और हत्या में किसी भी तरह की भूमिका से साफ इनकार किया है. उन्होंने मुकदमे का सामना करने से मना कर दिया और खुद के लिए मौत की सजा की मांग की. अपने हलफनामे में मलिक ने दावा किया कि उन्होंने इस्तखारा किया था, यह एक इस्लामिक प्रार्थना है जिसका इस्तेमाल किसी अहम फैसले से पहले अल्लाह से मार्गदर्शन मांगने के लिए किया जाता है. अपनी परिस्थितियों और गहरे चिंतन के आधार पर, उन्होंने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही का विरोध न करने का फैसला किया.

प्रतिबंधित संगठन जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (JKLF) के जेल में बंद प्रमुख यासीन मलिक ने बुधवार (2 सितंबर, 2026) को राजधानी श्रीनगर की एक अतिरिक्त सत्र अदालत (जो TADA/POTA मामलों की सुनवाई करती है) में अपने वकील के जरिए 25 पेज का हलफनामा दाखिल किया. इसमें उन्होंने खुद को बेगुनाह बताते हुए 1990 के सरला भट हत्याकांड मामले में अपने लिए मौत की सजा की मांग की.

मलिक ने कहा कि अप्रैल 1990 में सरला भट की हत्या के समय वे गंभीर रूप से घायल थे, बेहोश थे और उनका इलाज चल रहा था. उन्होंने दावा किया कि जो व्यक्ति खुद अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा हो, उसके लिए इस अपराध की साजिश रचना असंभव था.

ताज कृपा दरबार में प्रसाद वितरण, आस्था और लगन का समागम है ताज कृपा दरबार

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) स्थानीय ताज कृपा दरबार में सम्पर्कित संस्थान ताज दरबार बाकी शरीफ के छैः मासी उर्स के मौके पर सरकार ताजुल औलिया की शान में सेहरा बंदी, फूल माला, इत्र, चंदन और प्रसाद अर्पित कर प्रसादी वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि स्थानीय दरबार के प्रधान मुखिया प्रभाकरराव डहाके अध्यक्ष ताज दरबार बाकी शरीफ हैऔर उनके मार्गदर्शन में समस्त दरबारियों व्दारा संस्थापक नासिर मासाब व्दारा स्थापित परम्पराओं का अनुशरण करते हुए उमंग और उत्साह से दरबार का भलीभांति नियमित विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर रहे हैं

प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह आज गाडरवारा प्रवास पर

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह आज शुक्रवार को गाडरवारा के प्रवास पर रहेंगे। उक्त जानकारी उनके निज सचिव दीपसिंह लांघिया ने दी है। उन्होंने बताया कि मंत्री श्री सिंह सुबह 11 बजे लक्ष्मी टाउनशिप स्थित सेवा सदन में आगमन करेंगे। सेवा सदन में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक वे क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, जन प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से सौजन्य भेंट करेंगे। इस दौरान क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा संभावित है।

पति की दीर्घायु की कामना से रखा उपवास, सातुड़ी तीज पर घर-घर हुई पूजा

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) राजस्थानी मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से विभिन्न स्थानों पर लोक परंपराओं के संवर्धन की दिशा में अनेक पावन पर्व मनाए जाते हैं। इसी श्रृंखला में विगत रात्रि महिलाओं ने सातुड़ी तीज की स्थापित परंपरा के अनुसार उत्साह और उमंग के साथ पर्व मनाया। विशेष रूप से नवविवाहिता महिलाओं ने अपनी पहली सातुड़ी तीज पर बढ़-चढ़कर सहभागिता की तथा सुहाग के मंगलमय श्रृंगार में नए आभूषणों से सज-धजकर पूजा-अर्चना की।

उल्लेखनीय है कि इस दिन महिलाएं अपने जीवनसाथी पति के साथ जन्म-जन्मांतर तक रहने तथा अपने परिवार एवं परिजनों की समृद्धि के लिए भगवान शिव एवं माता पार्वतीजी के सम्मुख कामना-प्रार्थना करती हैं। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा उपवास भी रखा जाता है। निम्बोड़ी की पूजा-अर्चना

एवं कथा वाचन के उपरांत चन्द्रमा के दर्शन तथा पूजा-अर्चना करने के बाद महिलाएं अपना उपवास पूर्ण करती हैं।

सातुड़ी तीज के नाम से जाने जाने वाले इस पावन दिवस पर सा तु ड़ी तीज पर बनने वाला यह विशेष मिष्ठान समाज के विभिन्न वर्गों में सर्वप्रिय है। आज भी अनेक परिवार अपने परिचित एवं निकटस्थ लोगों को आमंत्रित कर सत्तू का रसास्वादन कराने की पुरानी परंपरा को बनाए हुए हैं। अनेक लोगों को इस विशेष व्यंजन का पूरे वर्ष इंतजार रहता है, क्योंकि यह व्यंजन बाजार अथवा मारवाड़ी परिवारों के अलावा सामान्य रूप से उपलब्ध नहीं होता। इसका स्वाद अपने आप में अलग और विशिष्ट होता है तथा इसकी पहचान भी विशेष है।

गेहूं, चावल एवं चना आदि का सत्तू बनाकर उससे मीठा व्यंजन तैयार करने की परंपरा है। वहीं महिलाएं इस दिन एक-दूसरे के घर जाकर पांव-धोक पैर पडना अपने बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

जीप को टक्कर मारने के बाद बस से जा भिड़ा बल्कर

» टक्कर इतनी तेज थी कि बस प्लास्टिक के खिलौने की तरह टूट गई।

» विचलित करने वाली तस्वीरें.. घायल कराह रहे थे, बस टूटकर बिखर गई।

साधना एक्सप्रेस रीवा

- सीधी मार्ग पर बुधवार को भीषण हादसे का कारण बने बल्कर ने पहले एक जीप को टक्कर मारी थी। उसके बाद सामने से आ रही बस उसकी चपेट में आ गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने इस खौफनाक घटना की हकीकत पुलिस को बताई। उस खौफनाक मंजर को याद कर लोगों की रुह कांप गई। बल्कर सीधी तरफ से आ रहा था और उसने बदवार के थोड़ा पहले एक जीप को टक्कर मारी थी जिससे उसे आशिक नुकसान हुआ था। इसके बाद चालक वहां से बल्कर को तेज स्पीड में लेकर भागा और बदवार स्टैंड के पास सामने से आ रही बस से भिड़ गयाय। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के कई टुकड़े हो गए। बाद में बल्कर वाहन सड़क पर पलट गया था जिसमें चालक नहीं मिला है। बताते हैं कि वह हादसे के बाद फरार हो गया।

ढाई साल की बच्ची लापता। - हादसे के बाद एक महिला की ढाई साल की बच्ची के लापता होने की जानकारी मिली है। तत्काल एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया जिसने तालाब के पानी में करीब घंटे भर तक सर्चिंग की। हालाकि इस दौरान बच्ची का पता नहीं चला। यात्रियों के चार मोबाइल पानी में मिले जिन्हें पुलिस को सौंप दिया गया है।

पति का मृत्यु प्रमाण पत्र लेने आई महिला व दामाद घायल।

- हादसे में मनबसुआ साकेत निवासी बड़रा थाना चुरहट घायल हुई है। उनके पति की मौत हो गई थी, जिस पर वे बुधवार को अपने दामाद के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने संजय गांधी अस्पताल आई थी। अस्पताल में काम पूरा करके वे वापस घर जा रही थी और हादसे का शिकार हुई। पीड़ित महिला सहित दामाद घायल हो गए।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जताया शोक।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रीवा में हुए हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने अपने प्रियजनों को खोने वाले लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जारी एक पोष्ट में उन्होंने कहा कि रीवा में हुए हादसे में जान गंवाने की घटना दुखद है। मेरे विचार उनके साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। है।

इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बस हादसे पर कहा कि आज रीवा-सीधी हाईवे पर बस और बल्कर की टक्कर में हुई यात्रियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत हृदय विदारक है। दिवंगतों की आत्मा को शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना है। उन्होंने हादसे में मृतकों के परिवारजनों को राज्य शासन की ओर से 2-2 लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए की सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं।

दोनों जिलों के बांसद और अफसर पहुंचे।

हादसे के बाद घटनास्थल पर कमिश्नर शिलेन्द्र सिंह, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, एसपी डा. गुरुकरण सिंह मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत व बचाव कार्य शुरू करवाया। सभी घायलों को अधिकारियों ने बाहर निकलवाकर उनको अस्पताल भिजवाया। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा व सीधी सांसद राजेश मिश्रा भी मौके पर पहुंचे और घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायलों की हालत देखी और चिकित्सकों बेहतर उपचार प्रदान करने के निर्देश दिए है। हादसे के बाद संजय गांधी अस्पताल में डॉक्टर्स की टीम को अलर्ट कर दिया गया था। एसडीएम अनुराग हीतिवारी, थाना प्रभारी मनोज कुमार गौतम सहित तमाम अधिकारी अस्पताल पहुंच गए और घायलों के आने पर तत्काल उनका उपचार शुरू करवाने व्यवस्था करवाई।

चार मृतकों की नहीं हुई पहचान, सीधी पुलिस को दी गई सूचना। - इस हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है जिसमें दो महिलाएं शामिल है। एक महिला की पहचान रक्षा सिंह पति अभिमन्यू सिंह 22 वर्ष निवासी बड़ोखर थाना चुरहट के रूप में हई है। वहीं चार मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। सभी शवों को मर्चुरी में रखवा दिया गया है। पुलिस उनके घर वालों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। संभावना है कि मृतक सीधी जिले के हो सकते है जिस पर सीधी पुलिस को भी सूचना भिजवाई गई है।

डीईओ ऑफिस में शिक्षक ज्वाइनिंग का मेला, तीन दिन में 336 ने पूरी की प्रक्रिया

साधना एक्सप्रेस रीवा

रीवा। प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया के तहत रीवा और मऊगंज जिले में ज्वाइनिंग का सिलसिला जारी है। दोनों जिलों - में चयनित प्राथमिक शिक्षकों और स्पेशल एजुकेटर की जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में ज्वाइनिंग कराई जा रही है। ज्वाइनिंग की प्रक्रिया 7 सितंबर तक चलेगी। बुधवार को भी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में दिनभर चयनित अभ्यर्थियों की भीड़ लगी रही और दस्तावेजों की जांच के साथ ज्वाइनिंग की प्रक्रिया पूरी की गई। रीवा जिले में बुधवार तक 193 प्राथमिक शिक्षकों ने ज्वाइनिंग कर ली है। इसके अलावा 12 स्पेशल एजुकेटर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। इसी तरह

मऊगंज जिले में 143 प्राथमिक शिक्षकों और 12 स्पेशल एजुकेटर की ज्वाइनिंग हो चुकी है। इस तरह दोनों जिलों में अब तक 336 प्राथमिक शिक्षकों और 24 स्पेशल एजुकेटर की ज्वाइनिंग पूरी हो चुकी है ।

परीक्षा के बाद नियुक्ति तक पहुंची प्रक्रिया।

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 का आयोजन मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने अक्टूबर 2025 में किया था। परीक्षा प्रदेश के 11 शहरों में आयोजित हुई थी, जिसमें रीवा भी परीक्षा केंद्रों में शामिल था। नंडल ने बाद में संशोधित परिणाम और मेरिट संबंधी जानकारी जारी की। अब चयनित अभ्यर्थियों की जिला स्तर पर ज्वाइनिंग कराकर उन्हें नियुक्ति प्रक्रिया में आगे बढ़ाया जा रहा है।

102 शिक्षकों और 15 स्पेशल एजुकेटर की ज्वाइनिंग बाकी

विभागीय जानकारी के अनुसार दोनों जिलों में अभी 102 प्राथमिक शिक्षकों की ज्वाइनिंग शेष है। इसके साथ ही 15 स्पेशल एजुकेटर को भी ज्वाइनिंग करनी है। इन अभ्यर्थियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करनी होगी। मध्यप्रदेश में प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 के तहत चयन प्रक्रिया आगे बढ़ने के बाद अब जिलों में नियुक्ति और ज्वाइनिंग की कार्रवाई की जा रही है। कर्मचारी चयन मंडल के आधिकारिक रिकॉर्ड में प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-2025 के परिणाम की संशोधित प्रक्रिया जुलाई 2026 तक अपडेट होने की जानकारी दर्ज है। वहीं उपलब्ध नियुक्ति संबंधी जानकारी के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को 7 सितंबर तक आवंटित जिले के जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थिति दर्ज करानी है।

935 शिक्षकों को प्रथम, 892 को मिला चौथी क्रमोन्नति का लाभ

साधना एक्सप्रेस रीवा

-मऊगंज में जिला शिक्षा केंद्र ने जारी किए प्रथम से चतुर्थ क्रमोन्नति के आदेश।

रीवा और मऊगंज जिले के 935 शिक्षकों को क्रमोन्नति का लाभ मिला है। जिला शिक्षा केंद्र दीवा ने प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ क्रमोन्नति के आदेश जारी कर दिए हैं। सबसे ज्यादा 892 शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नति दी गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में पूरी की गई। जारी आदेश के अनुसार प्रथम क्रमोन्नति के 3, द्वितीय के 4, तृतीय के 36 और चतुर्थ क्रमोन्नति के 892 शिक्षक शामिल हैं। इस तरह कुल 935 शिक्षकों की क्रमोन्नति के आदेश जारी हुए हैं। लंबे समय से क्रमोन्नति का इंतजार कर रहे शिक्षकों के लिए आदेश जारी होना राहत भरा है।

12, 24 और 30 साल की सेवा पर क्रमोन्नति का प्रावधान।

मध्यप्रदेश में शिक्षक संवर्ग के लिए क्रमोन्नति का लाभसेवा अवधि के आधार पर दिए जाने का प्रावधान है। विधानसभा में स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार 12 वर्ष की सेवा पूरी होने पर प्रथम, 24 वर्ष पर द्वितीय और 30 वर्ष की सेवा पूरी होने पर तृतीय क्रमोन्नति का प्रावधान है। स्कूल शिक्षा विभाग ने 5 अक्टूबर 2023 के आदेश में नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों को भी पात्रता तिथि पर 12, 24 और 30 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर क्रमोन्नत वेतजमान देने की व्यवस्था स्पष्ट की थी।

सेवा लाभ का मिलेगा फायदा क्रमोन्नति का लाभ मिलने के बाद पात्र शिक्षकों के वेतन।

निर्धारण सहित अन्य सेवा संबंधी लाभों पर इसका असर पड़ेगा। विभागीय स्तर पर पात्रता और सेवा अवधि से जुड़े अभिलेखों की प्रक्रिया पूरी करने के बाद आदेश जारी किए गए हैं। अब संबंधित शिक्षकों के सेवा अभिलेखों में आवश्यक प्रविष्टियांऔर आगे की विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

चौथी क्रमोन्नति में 892 शिक्षक

चारों श्रेणियों में चतुर्थ क्रमोन्नति पाने वाले शिक्षकों की संख्या सबसे अधिक है। 892 शिक्षकों के अलावा 36 को तृतीय, 4 को द्वितीय और 3 शिक्षकों को प्रथम क्रमोन्नति का लाभ दिया गया है। जिला शिक्षा केंद्र की इस कार्रवाई से रीवा और मऊगंज के शिक्षकों को लंबे समय से लंबित सेवा लाभ मिलने का रास्ता साफ हुआ है।

वेतन और सेवा लाभ पर पड़ेगा असर।

कमोन्नति का सीधा असर पात्र शिक्षकों के वेतन निर्धारण और इससे जुड़े वित्तीय लाभों पर पड़ेगा। आदेश जारी होने के बाद संबंधित शिक्षकों के सेवा अभिलेखों में आवश्यक प्रविष्टियां की जाएंगी तथा नियमानुसार वित्तीय लाभ की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। रीवा और मऊगंज जिले के शिक्षकों के कमोन्नति प्रकरण लंबे समय से प्रक्रिया में थे। अब जिला शिक्षा केंद्र द्वारा आदेश जारी किए जाने से पात्र शिक्षकों को राहत मिली है। विभागीय स्तर पर तैयार सूची में सेवा अवधि और पात्रता के आधार पर शिक्षकों को अलग-अलग श्रेणियों में क्रमोन्नति का लाभ दिया गया है।

शिक्षको के क्रमोन्नति आदेश जारी कर दिए गए है, रीवा व मऊगंज जिले के 935 शिक्षकों को इसका लाभ मिलेगा। कलेक्टर रीवा के मार्गदर्शन में कार्यवाही पूरी की गई है। डॉ. पीएल मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी रीवा

करोड़ों की राशि मिलने के बाद भी आंगनबाड़ी भवन अधूरे

साधना एक्सप्रेस रीवा।

महिला बाल विकास विभाग द्वारा आगनवाड़ी भवनों के निर्माण हेतु विगत कुछ वर्षों से करोड़ों की एकमुश्त राशि जिला पंचायतों को जारी कर रहा है। बावजूद इसके भवनों का निर्माण पूर्ण नहीं हो पा रहा है। ज्ञात हो कि विगत कई वर्षों से कई आगनवाड़ी केन्द्र किराये पर संचालित हो रहे हैं जहां करोड़ों रूपये किराये में जा रहे हैं। जबकि किराये के भवन केवल काम चलाऊ व्यवस्था के अनुसार ही लिये जाते हैं।

जबकि विभाग का भवन बन जाता है तो उसमें पर्याप्त व्यवस्था मिल जाती है। किन्तु ग्राम पंचायतों की लापरवाही के चलते ऐसे भवनों का निर्माण समय पर पूरा नहीं हो पाता। कई भवनों का निर्माण अधूरा ही पड़ा रहता है जबकि राशि आहरित कर ली जाती है। फिर जांच वसूली

के नाम पर मामले चलते रहते हैं। पीएम

आंगनबाड़ी केन्द्र।

जनमन धरती आबा योजना के तहत भी आगनवाड़ी भवनों के निर्माण के लिये महिला बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 23 24 से 25-26 तक कई भवनों की स्वीकृति जारी की गई एवं राशि भी जारी की गई थी। किन्तु बताया जा रहा है कि कई भवनों का या तो कार्य ही प्रारंभ नही हो पाया अथवा कार्य प्रारंभ हुआ तो पूर्ण नहीं हो पाया। कई भवन आज भी अपूर्ण स्थिति में

पड़े हुये हैं। जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक जब समीक्षा होती हैतो इसी तरह की स्थितियां मिलतीहै। पूर्णता के लिये समय सीमा निर्धारित कर दी जाती है। इसके - बाद भी पूर्णता सुनिश्चित नही हो पाती। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अब जुलाई में सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं।

पदवृद्धि और सेकंड काउंसलिंग की मांग को लेकर नीलम पार्क में दिया धरना

» अब वर्ग 1 के चयनित शिक्षकों ने राजधानी में डाला डेरा।

» करीब डेढ़ साल से हजारों चयनित अभ्यर्थियों को परेशान किया जा रहा है

साधना एक्सप्रेस भोपाल

वर्ग-1 शिक्षक भर्ती में पदवृद्धि और सेकंड काउंसलिंग की मांग को लेकर चयनित शिक्षकों ने मंगलवार को राजधानी में डेरा डाल दिया। नीलम पार्क में धरना देकर शिक्षकों ने कहा कि महज 11 उम्मीदवारों से जुड़े मामले के कारण करीब डेढ़ साल से हजारों चयनित अभ्यर्थियों को परेशान किया जा रहा है।

उनका सवाल है कि विभाग ने इस दौरान मुख्य पीठ में मामले की प्रभावी पैरवी क्यों नहीं की ? शिक्षकों ने विभाग की भर्ती प्रक्रिया और रिक्त पदों को लेकर भीधरना। सवाल उठाए। उनका कहना है कि यदि वर्ग-1 के सभी पद भरे हैं तो कैग की रिपोर्ट में हजारों पद रिक्त होने का उल्लेख क्यों है? वहीं, न्यायालयों द्वारा प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों की कमी पर सरकार से जवाब मांगे जाने के बावजूद भर्ती प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ने पर भी उन्होंने नाराजगी जताई।

सवाल... 15 हजार अतिथि शिक्षक रखे, फिर पदवृद्धि क्यों नहीं?

शिक्षकों का तर्क है कि विभाग लगातार प्रमोशन के पद होने के कारण पदवृद्धि संभव नहीं होने की बात कहता है, जबकि राजपक्ष में 50% पद पदोन्नति के लिए निधारित हैं। ऐसे में शेष 50% पदों पर भर्ती का रास्ता क्यों नहीं खोला जा रहा 2 उनका दावा है कि वर्ग-1 में करीब 15 हजार अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षकों ने यह भी दावा किया कि वित्त विभाग से करीब एक वर्ष पहले 2023 वर्ग-1 भर्ती में पदवृद्धि के लिए वित्तीय स्वीकृति मिलने के साथ सेकंड काउंसलिंग कराने के निर्देश दिए गए थे। उनका सवाल है कि यदि यह स्वीकृति मिल चुकी थी तो विभाग ने अब तक पदवृद्धि के साथ सेकंड काउंसलिंग क्यों नहीं कराई ?

जनविश्वास पोर्टल से अभियान को मिलेगी गति

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि 7 अगस्त से शुरू हुए अभियान के चार सप्ताह पूरे हो चुके हैं और कम समय में इसका सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी सप्ताह में एक दिन मैदानी क्षेत्रों में पहुंचकर जनता की समस्याओं का तत्काल निराकरण कर रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि जनविश्वास पोर्टल अभियान के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यूजर मैनुअल के अनुसार पोर्टल पर नियमित रूप से जानकारियां अपलोड की जाएं।

पोर्टल पर अभियान के तहत किए गए भ्रमण, निरीक्षण, जनसंवाद, उद्यम संवाद, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक, नीतिगत विषयों, महत्वपूर्ण निदेर्शों, जिलों के नवाचारों और सुझावों की जानकारी दर्ज की जाएगी। प्रत्येक सप्ताह अपलोड होने वाली सूचनाओं की उच्च स्तर पर समीक्षा की जाएगी। साथ ही राज्य स्तर के मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक समन्वय भी किया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि पोर्टल के समेकित उपयोग से मैदानी स्तर पर जनता को योजनाओं और समस्याओं के समाधान का अधिक प्रभावी लाभ मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्री बलराम जयंती पर दी शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषकों के आराध्य, शक्ति और परिश्रम के प्रतीक भगवान श्री बलराम जी की जयंती एवं पावन पर्व हलषष्ठी की सभी को शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है किभगवान श्री बलराम जी के आदर्शों और कृषक जीवन के प्रति उनकी परायणता से प्रेरित बलराम कृषि महोत्सव मध्यप्रदेश के अन्नदाता किसानों के सम्मान, सशक्तिकरण और समृद्धि का उत्सव है।

कृष्ण जन्माष्टमी पर प्रदेश के 81 कृष्ण मंदिरों में होंगे बड़े आयोजन

कृष्ण के स्वरूपों में सीएम हाउस पहुंचेंगे एक हजार बच्चे

भोपाल:- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को इस बार मध्यप्रदेश में व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेशभर में जन्माष्टमी से जुड़े धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों को लेकर विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। जन्माष्टमी पर प्रदेश के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में विशेष साज-सज्जा, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। वहीं मुख्यमंत्री निवास पर 4 सितंबर को विशेष आयोजन किया जाएगा, जिसमें 1000 से ज्यादा बच्चों को बाल कृष्ण के रूप में तैयार कर उनके परिजनों के साथ आमंत्रित किया जाएगा। कार्यक्रम में भक्ति गायन, लोकनृत्य और मटकी फोड़ जैसी गतिविधियां होंगी। माखन-मिश्री, लड्डू गोपाल और श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप से जुड़े प्रसंगों के जरिए बच्चों को दी गई शिक्षाओं पर केंद्रित कार्यक्रम भी होंगे।

जन्माष्टमी पर प्रदेश के लगभग 81 प्रमुख कृष्ण मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर विशेष आयोजन होंगे। यहां भजन, कीर्तन और भक्तिमय कार्यक्रमों के लिए कलाकारों, भजन मंडलियों और सांस्कृतिक दलों की प्रस्तुतियां कराई जाएंगी। इसके लिए श्रीकृष्ण पार्थेय न्यास, भोपाल के माध्यम से जिला प्रशासन को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रमों की

व्यवस्था के लिए प्रत्येक जिले को न्यास की ओर से एक-एक लाख रुपए तक की राशि उपलब्ध कराई जा सकेगी।

गोशालाओं में सफाई, गौ-पूजन और स्वास्थ्य जांच शिविर

जन्माष्टमी के मौके पर प्रदेश की गोशालाओं में विशेष सफाई अभियान चलाने के साथ गौ-पूजन, गो-रक्षा और पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए पशुपालन विभाग और जिला प्रशासन को जिम्मेदारी दी गई है। यह निर्देश जन्माष्टमी के धार्मिक आयोजन को गोसेवा और पशु कल्याण से जोड? के लिहाज से अहम है।

शांति समिति की बैठक में हिंदू उत्सव समिति ने प्रशासन से की सख्त कार्रवाई और बेहतर व्यवस्थाओं की मांग

भोपाल। आगामी जन्माष्टमी, गणेश उत्सव, दुर्गा उत्सव, गणेश चल समारोह, दुर्गा चल समारोह और दशहरा को लेकर पुलिस कमिश्नर कार्यालय में आयोजित शांति समिति की बैठक में हिंदू उत्सव समिति के पदाधिकारियों ने धार्मिक आयोजनों की गरिमा, सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर जोरदार तरीके से अपनी बात रखी।बैठक में हिंदू उत्सव समिति ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान डीजे पर किसी भी प्रकार के अश्लील और आपत्तिजनक गाने बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। समिति ने ऐसे मामलों में नियमों का उल्लंघन करने वाले डीजे संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई।समिति ने एआई पैटर्न की मूर्तियों को लेकर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए धार्मिक परंपराओं और भावनाओं के अनुरूप व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। समिति का कहना था कि नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित मूर्तिकारों और आयोजक समितियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।बैठक में शहर की बदहाल व्यवस्थाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। जिन स्थानों पर प्रतिमाओं की स्थापना और निर्माण हो रहा है, वहां के आसपास की सड़कों के गड्ढे तत्काल भरवाने, साफ-सफाई की पुख्ता व्यवस्था करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक इंतजाम करने की मांग की गई।

पुणे-हड़पसर रेलखण्ड पर थर्ड लाइन कार्य के चलते 06 ट्रेने प्रभावित

भोपाल। मध्य रेल, पुणे मंडल के हड़पसर-पुणे रेलखंड में थर्ड लाइन कमीशनिंग कार्य के लिए पुणे एवं हड़पसर यार्ड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इस कार्य के चलते पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल होकर संचालित कुछ रेलगाड़ियों के परिचालन में परिवर्तन किया गया है। इसके अंतर्गत 4 रेलगाड़ियाँ शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजिनेट, 1 रेलगाड़ी मार्ग परिवर्तित तथा 1 रेलगाड़ी रि-शिड्यूल रहेगी।

दौंड जंक्शन पर शॉर्ट टर्मिनेट होने वाली रेलगाड़ियाँ

1) गाड़ी संख्या 20162 जबलपुर-पुणे एक्सप्रेस 20 सितंबर को जबलपुर से प्रस्थान करने वाली यह ट्रेन अगले दिन पुणे के स्थान पर दौंड जंक्शन स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। अर्थात दौंड जंक्शन से पुणे के मध्य यह ट्रेन आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

2) गाड़ी संख्या 22172 रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस 03 अक्टूबर को रानी कमलापति से प्रस्थान करने वाली यह ट्रेन अगले दिन पुणे के स्थान पर दौंड जंक्शन स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी। अर्थात दौंड जंक्शन से पुणे के मध्य यह ट्रेन आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

दौंड जंक्शन से शॉर्ट ओरिजिनेट होने वाली रेलगाड़ियाँ

3) गाड़ी संख्या 20161 पुणे-जबलपुर एक्सप्रेस 21 सितंबर को पुणे के स्थान पर दौंड जंक्शन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। अर्थात पुणे से दौंड जंक्शन के मध्य यह ट्रेन आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

4) गाड़ी संख्या 22171 पुणे-रानी कमलापति एक्सप्रेस 04 अक्टूबर को पुणे के स्थान पर दौंड जंक्शन से शॉर्ट ओरिजिनेट होगी। अर्थात पुणे से दौंड जंक्शन के मध्य यह ट्रेन आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

पुणे-रानी कमलापति एक्सप्रेस मार्ग परिवर्तित

5) गाड़ी संख्या 22171 पुणे-रानी कमलापति एक्सप्रेस दिनांक 20 सितंबर 2026 को पुणे से प्रारंभ होकर यह ट्रेन परिवर्तित मार्ग लोनावला-कर्जत जंक्शन-पनवेल-कल्याण-इगतपुरी-मनमाड़ होकर संचालित होगी।

हड़पसर-रीवा एक्सप्रेस का हड़पसर स्टेशन पर प्रस्थान समय रि-शिड्यूल रहेगा

भोपाल में सीलिंग के विरोध में सडकों पर उतरे व्यापारी, लोग परेशान

नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में कोलार में बंद

भोपाल । भोपाल के कोलार क्षेत्र में नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई का विरोध अब और तेज हो गया है। कोलार व्यापारी महासंघ के आह्वान पर बुधवार को समूचा बाजार पूरी तरह बंद रहा। कोलार तिराहे से लेकर गोल जोड़ तक का पूरा व्यावसायिक इलाका सुनसान नजर आया। छोटे-बड़े दुकानदारों से लेकर डी-मार्ट, वी-मार्ट, विशाल मेगामार्ट जैसे प्रमुख शॉपिंग मॉल और मंदाकिनी व डी-मार्ट चौराहे की शराब दुकानें तक पूरी तरह बंद रहीं। हालांकि, आम जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए पेट्रोल पंप और मेडिकल स्टोर्स जैसी आपातकालीन सेवाओं को इस बंद से मुक्त रखा गया था।

नगर निगम द्वारा की जा रही सीलिंग कार्रवाई के विरोध में कोलार के व्यापारियों ने एक अनोखा और उग्र प्रदर्शन किया।

विरोध दर्ज कराने के लिए व्यापारियों ने पहले सांकेतिक अर्थी यात्रा निकाली। इस दौरान कुछ व्यापारियों ने अपना मुंडन भी करवाया।

अमृत हरित महाभियान में 51 लाख से अधिक पौधरोपण, प्रशिक्षित मालियों की भूमिका अहम

भोपाल। प्रदेश में हरित आवरण बढ़ाने और पौधों की वैज्ञानिक देखभाल सुनिश्चित करने के लिए भौंरी स्थित सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय नगरीय प्रबंधन संस्थान में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय माली प्रशिक्षण कार्यशाला का बुधवार को समापन हुआ। 1 और 2 सितंबर को हुई कार्यशाला में प्रदेश के सभी 10 संभागों से करीब 215 से 220 माली कर्मचारियों ने सहभागिता की।

नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा कि ह्यअमृत हरित महाभियानह्ल के तहत प्रदेश में अब तक 51 लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण तभी सफल माना जाएगा, जब लगाए गए पौधे स्वस्थ और विशाल वृक्षों में विकसित हों। इसमें प्रशिक्षित माली कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत

महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला में नर्सरी प्रबंधन, लैंडस्केपिंग, पार्क डिजाइनिंग और आधुनिक पौधरोपण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। ह्यनमो हरित-नगर योजनाह्ल के तहत शहरों को पर्यावरण अनुकूल बनाने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए।

विशेषज्ञों ने पौध पोषण, मृदा प्रबंधन, सिंचाई, कटाई-छंटाई और नियमित रखरखाव की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। आयुक्त ने कहा कि प्रशिक्षित कर्मचारियों के माध्यम से नगरीय निकायों के पार्कों और हरित पट्टियों का रखरखाव बेहतर होगा तथा पौधों की जीवित रहने की दर बढ़ेगी। इससे नागरिकों को स्वच्छ, निर्मल और हरित वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सितंबर-नवंबर में डीपीसी अनिवार्य; पहले से तैयार होगा प्रमोशन पैनल

आरक्षक से इंस्पेक्टर तक प्रमोशन की रफ्तार बढ़ेगी

भोपाल । मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक से लेकर इंस्पेक्टर तक मैदानी संवर्ग के नियमित प्रमोशन की प्रक्रिया अब तय कैलेंडर के मुताबिक आगे बढ़ेगी। पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस इकाइयों को विभागीय पदोन्नति समिति की बैठकें समय-सीमा में कराने के निर्देश दिए हैं। इससे लंबे समय से पदोन्नति प्रक्रिया में होने वाली देरी पर अंकुश लगाने की कोशिश की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग के मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के तहत पीएचक्यू ने पुलिस इकाइयों को निर्देश जारी किए हैं। स्पेशल डीजी प्रशासन आदर्श कटियार ने 1 सितंबर को सभी इकाई प्रमुखों को पत्र भेजकर नए भर्ती और पदोन्नति नियमों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

चयन वर्ष 2027 के लिए 31 दिसंबर 2027 तक उपलब्ध होने वाली रिक्तियों को ध्यान में रखते हुए पात्र पुलिसकर्मियों की पदोन्नति के लिए डीपीसी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। पीएचक्यू ने स्पष्ट किया है कि सितंबर से नवंबर के बीच डीपीसी की बैठकें आयोजित की जाएं, ताकि पात्र कर्मचारियों की उपयुक्तता का परीक्षण कर समय पर पैनल तैयार किया जा

सके। इस व्यवस्था का मकसद यह है कि रिक्तियां सामने आने के बाद पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने के बजाय पहले से पात्र कर्मचारियों का पैनल तैयार रहे और निर्धारित समय पर पदोन्नति आदेश जारी किए जा सकें।

हर साल कम से कम एक बार डीपीसी

नए पदोन्नति नियमों की कंडिका-6 में डीपीसी को नियमित वार्षिक प्रक्रिया का हिस्सा बनाया गया है। अब प्रत्येक चयन वर्ष के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक कम से कम एक बार आयोजित करना जरूरी होगा। चयन वर्ष शुरू होने से पहले सितंबर से नवंबर के बीच डीपीसी की बैठक कराने की व्यवस्था की गई है। इसमें संबंधित संवर्ग के पात्र कर्मचारियों की सेवा संबंधी रिकॉर्ड और पदोन्नति के लिए उनकी उपयुक्तता का परीक्षण किया जाएगा।

पुलिस में प्रमोशन विवादों के बीच अहम कदम

हाल ही में पुलिस विभाग में पदोन्नति सूचियों को लेकर बड़े स्तर पर शिकायतें सामने आई थीं। कई मामलों में सेवा रिकॉर्ड, विभागीय जांच और पात्रता से जुड़े सवाल उठने के बाद क्क॥क्त को पदोन्नति प्रक्रिया की दोबारा समीक्षा करनी पड़ी। ऐसे में नई व्यवस्था का सबसे बड़ा परीक्षण यही होगा

सीहोर में 1200 केवी तक के पॉवर ट्रांसफॉर्मर बनेंगे, 2 हजार से अधिक रोजगार के अवसर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 4 सितंबर को सीहोर में सीजी पॉवर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड की नई पॉवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण इकाई के प्रथम ट्रांसफॉर्मर का रोल-आउट करेंगे। करीब 50 एकड़ में स्थापित यह देश की एक ही स्थान पर स्थित सबसे बड़ी पॉवर ट्रांसफॉर्मर विनिर्माण सुविधाओं में शामिल है। अगस्त 2025 में मुख्यमंत्री ने संयंत्र का भूमि-पूजन किया था और लगभग 13-14 माह में यहां उत्पादन शुरू हो गया है।इस आधुनिक इकाई में 220 केवी से 1200 केवी तक के पॉवर ट्रांसफॉर्मर तैयार किए जाएंगे। इसकी मासिक उत्पादन क्षमता 35 ट्रांसफॉर्मर होगी। यहां निर्मित उपकरण देश के विभिन्न हिस्सों के साथ वैश्विक बाजारों में भी भेजे जाएंगे।

ट्रांसफॉर्मरों का उपयोग विद्युत क्षेत्र के अलावा डेटा सेंटर, रेलवे, नवकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस तथा ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी परियोजनाओं में किया जाएगा। इससे उच्च वोल्टेज ट्रांसमिशन उपकरणों के घरेलू निर्माण को मजबूती मिलने की उम्मीद है।परियोजना से सीहोर में 2 हजार से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। साथ ही स्थानीय स्तर पर सहायक उद्योगों और अन्य कारोबारों को भी बढ़ावा मिलेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार बड़े निवेश प्रस्तावों को तेजी से धरातल पर उतारने और स्थानीय रोजगार बढ़ाने पर जोर दे रही है।

सीएम ने लॉन्च किया जन विश्वास अभियान पोर्टल, एक महीने में 5.64 लाख शिकायतें निपटाईं

हर सोमवार कलेक्टरों को देनी होगी कामकाज की रिपोर्ट

इस अभियान की शुरूआत 7 अगस्त 2026 को हुई थीअब तक चार सप्ताह पूरे हो चुके हैं।

भोपाल । प्रदेश में जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और अधिकारियों की मैदानी सक्रियता की निगरानी के लिए शुरू किए गए जन विश्वास अभियान के तहत अब जिलों की गतिविधियों और उपलब्धियों का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज होगा। इसके लिए मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान पोर्टल शुरू किया गया है। सीएम डॉ मोहन यादव ने आज मंत्रालय में इस पोर्टल को लॉन्च किया। इस अभियान की शुरूआत 7 अगस्त 2026 को हुई थी और अब तक चार सप्ताह पूरे हो चुके हैं।अभियान के पहले महीने में 5 लाख 64 हजार से अधिक सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का निराकरण किया गया है। वहीं, लोक सेवा गारंटी के तहत दर्ज 8 लाख 6 हजार से अधिक आवेदनों का भी निराकरण किया जा चुका है।

हर सोमवार पोर्टल पर अपडेट होगी जिले की रिपोर्ट

पोर्टल पर जिलों से हर सप्ताह अभियान के दौरान किए गए कामों की जानकारी दर्ज की जाएगी। इसमें अधिकारियों के भ्रमण, निरीक्षण, जनसंवाद, उद्यम संवाद, यशस्वी संवाद और मीडिया संवाद के साथ जिला स्तरीय समीक्षा बैठकों की जानकारी भी शामिल होगी।

संभागायुक्त करेंगे नियमित मॉनिटरिंग

अभियान के दौरान शुक्रवार तक किए गए कार्यों की जानकारी संबंधित जिला कलेक्टर को अगले सोमवार तक अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। संभागायुक्त इसकी नियमित मॉनिटरिंग करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक सोमवार को जिलों की पूरी जानकारी अपलोड हो गई है।

विभागों को भी मिलेगी निगरानी की जिम्मेदारी

पोर्टल की मॉनिटरिंग के लिए सभी विभागों को लॉगिन आईडी दी जा रही हैं। कलेक्टरों द्वारा हर सप्ताह दर्ज की जाने वाली जानकारी की उच्च स्तर पर नियमित समीक्षा होगी। इसके जरिए जिलों से जुड़े ऐसे मामलों को चिह्नित किया जाएगा, जिनके निराकरण के लिए राज्य स्तर पर समन्वय की जरूरत है।

413 निकायों का जीआईएस डेटा तैयार करने वाला मप्र पहला राज्य; सिस्टम से जलस्तर बढ? पर दिखेगा असर

गरुड़ बताएगा बाढ़ आई तो कितने घर डूबेंगे

भोपाल । मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जहां सभी 413 नगरीय निकायों के हर घर और शहरी व्यवस्थाओं का डेटा तैयार किया गया है। गरुड़ एमपी सिस्टम के जरिए अब बाढ़ आने से पहले ही संभावित खतरे का पता लगाया जा सकेगा। इंदौर, भोपाल समेत सभी छोटे-बड़े शहरों में नदी-नालों का जलस्तर बढ? पर प्रभावित होने वाले इलाकों, घरों और आबादी का पहले ही नक्शा तैयार किया जाएगा। इससे राहत और बचाव की तैयारी समय रहते की जा सकेगी।गरुड़ ऐप में अलग-अलग जलस्तर के आधार पर सिमुलेशन की सुविधा विकसित की गई है।

तय स्तर से ऊपर बढ? पर सिस्टम नक्शे पर बता सकेगा कि कौन सा वार्ड प्रभावित होगा, कितने घर और संपत्तियां पानी की चपेट में आ सकती हैं और कितनी आबादी प्रभावित होगी। इसके साथ ही संभावित बाढ़ की चपेट में आने वाले स्कूल, अस्पताल और दूसरी जरूरी सुविधाओं की भी पहचान की जा सकेगी।

413 निकायों का डेटा एक सिस्टम में

मध्यप्रदेश ने सभी 413 नगरीय निकायों के भौगोलिक आंकड़ों को एक ही सिस्टम में जोड़ा है। इसमें इंदौर, भोपाल समेत बड़े शहरों और छोटे कस्बों के घरों के साथ सडक, पानी की पाइपलाइन, सीवरेज, जलाशय और जमीन के उपयोग से जुड़ी जानकारी शामिल है। इस डेटा के जरिए किसी इलाके को उसके वास्तविक स्थान और आसपास की शहरी व्यवस्थाओं के साथ देखा जा सकेगा।

|| संपादकीय ||

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए। सरकारीएजेंसियां

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है।

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं। भौगोलिकसंदर्भ

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा।

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है।

भावी संकट की पूर्व चेतावनी है नेपाल त्रासदी

> आज संवाद या विचार का विषय यह नहीं रह गया है कि नेपाल त्रासदी में कितने लोगों ने अपनी जान गंवाई है या कितनी जन-धन हानि हुई है अपितु यह हो जाता है कि इस तरह की त्रासदी से निपटने के लिए हम कहां तक तैयार है। सवाल यह भी है कि ऐसे हालात क्यों होते जा रहे हैं।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि दुनिया के देशों के लिए नेपाल त्रासदी को हल्के में लेना बड़ी भूल होगी। 2020 की कनाड़ा की रॉक स्लाइड और 2023 की सिक्किम में साउथ ल्होनक झील की ग्लेशियल फटने की घटना हमारे सामने हैं। यह कोई पहली या अंतिम घटनाएं नहीं हैं अपितु देखा जाएं तो यह समय रहते प्रयास नहीं किये गये तो ऐसी घटनाओं की आवृति जल्दी जल्दी और अतिविनाशकारी होगी, इससे नकारा नहीं जा सकता। जलवायु परिवर्तन के कारण पिछले सालों में जिस तरह से प्रकृति का विकराल रुप देखने को मिल रहा है वह चाहे तूफानों के रुप में हो, चाहे जंगलों में लगती आग के कारण हो, ग्लेशियरों के पिघलने की हो, ग्लेशियलों के फटने की हो, भूकंपों की हो, बैमौसम आंधी बरसात की हो, अतिवृष्टि या अनावृष्टि की हो, मौसम चक्र में भले ही आंशिक परिवर्तन की हो या समुद्री तूफानों की बढती फ्रिक्वेंसी की हो बेहद गंभीर हो जाती है। वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की लगातार चेतावनी को नजरअंदाज करने का ही परिणाम है कि नेपाल जैसी त्रासदियां आम होती जा रही है। यह केवल नेपाल या इससे जुड़े क्षेत्र के लिए ही गंभीर हालात नहीं हैं अपितु अमेरिका, चीन, भारत सहित दुनिया के दस देश नेपाल जैसी त्रासदी के मुहाने पर खड़े हैं। ग्लेशियल के फटने या यों कहें किग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी कि ग्लोफ जैसे हालात कभी भी इनके दायरें में आने वाले देशों में हो सकते हैं। यह भी सही है कि अभी तक भारत-नेपाल ही नहीं दुनिया के इस दायरें में आने वाला कोई भी देश इन आपदाओं से निपटने में पूरी तरह सक्षम नहीं हो सके हैं। जानकारों की मानें तो भारत, चीन, पाकिस्तान, पेरु के एक करोड़ 50 लाख लोग इनके दायरें में सीधे सीधे आ रहे हैं। यह वह लोग है जो इन ग्लेशियलों के एक किलोमीटर से 10 किलोमीटर के दायरें में रह रहे हैं। आज ग्लोफ खतरें के दायरें में भारत, पाकिस्तान, कनाड़ा, पेरु, अमेरिका, चिली, इटली, नेपाल और कोलंबिया आए हुए हैं। भौगोलिकसंदर्भ

उत्तराखंड त्रासदी हमारे सामने हैं और उस त्रासदी के परिणाम सामने होने के बावजूद लगभग साल दर साल भूस्खलन के मामले हर सीजन में सामने आ रहे हैं। यह साफ हो जाना चाहिए कि प्रकृति से एक सीमा से अधिक खिलवाड़ किया जाता है तो विकृति का सामना हमें करना ही पड़ेगा। जीवनदायी यही प्रकृति अपने विकराल रुप में पलटवार करती है। ऐसे में समय के साथ सबक लेना जरुरी हो जाता है। आज सारी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण की बात तो की जाती है पर उस पर अमल पूरी तरह से हो नहीं पा रहा है। विशेषज्ञों की माने तो हालात यही रहे तो सदी के अंत तक समुद्र का जलस्तर दो मीटर तक बढ़ सकता है। तो दूसरी और अभी से समुद्र तटीय कई शहर डूबने की जद में आने की चेतावनियां दी जा रही है।

नेपाल की हालिया त्रासदी का कारण ग्लेशियल का फटना माना जा रहा है। दरअसल ग्लेशियर और ग्लेशियल में हमें भेद करके चलना होगा। ग्लेशियर भौगोलिक संरचना होती है। यह पहाड़ों और ध्रुवों पर लंबे समय से जमा बर्फ खण्ड होते हैं। यह अपने गुरुत्वाकर्षण के कारण जमे रहते हैं पर जलवायु परिवर्तन और तापमान के बढने के कारण आज बड़ी मात्रा में ग्लेशियर के पिघलने की गति तेज होती जा रही है। दरअसल ग्लेशियरों के बड़े खण्डों के पिघल कर गिरने से ग्लेशियल झील बनती हैं। ग्लेशियल झील बन जाती है इसे हिमनदी झील भी कह सकते हैं। नेपाल की हालिया त्रासदी ग्लेशियल झील के फटने के कारण ही हुई है। वैज्ञानिकों की माने तो ग्लेशियलों के निर्माण की गति में काफी तेजी आई है। यदि हम हिमालय क्षेत्र की ही बात करें तो सतलुज बेसिन में 2019 में 560 ग्लेशियल झीलें थी जो चार साल यानी की 2023 तक 1048 हो गई हैं। नेपाल त्रासदी ग्लेशियल लेक आदटबर्स्ट फ्लड यानी की ग्लोफ का परिणाम है। साधारण शब्दों में कहा जाएं तो यह ग्लेशियल झील के फटने का परिणाम है। ऐसा नहीं है कि वैज्ञानिक इन हालातों पर नजर नहीं रख रहे हो बल्कि देखा जाएं तो लीड्स विश्वविद्यालय के ग्लेशियल फ्लडिंग के विशेषज्ञ डॉ. जानाथन कारीविक पहले ही चेता चुके हैं। हमारे देश के ही राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए के विशेषज्ञों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एनजीटी को रिपोर्ट प्रस्तुत कर हालात से रुबरु कराने के साथ ही ठोस सुझाव भी दिए हैं। दरअसल एक सीमा से अधिक प्रकृति से छेड़छाड़ का ही परिणाम इस तरह की त्रासदियां होती हैं। आज लाख चेतानें के बावजूद सतलुज बेसिन में बांधों के साथ साथ विद्युत परियोजनाओं सहित विकास परियोजनाओं का दखल बढ़ा है। एक सीमा से अधिक मानवीय दखल बढ़ी है। इससे तापमान में स्वाभाविक रुप से बढ़ोतरी होने के साथ ही अपशिष्ट भी फैल रहा है। दरअसल प्रकृति से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से छेडछाड़ बढ़ रही है। एनडीएमए ने साफ साफ कहा है कि सतलुज बेसिन में नए निर्माण कार्यों या नई परियोजनाओं की स्वीकृति से पहले उनके परिणामों का भली प्रकार से अध्ययन और विश्लेषण किया जाएं। परिणामों का आंकलन कर गुणावगुण के आधार पर निर्णय लिए जाए। पर्यावरणीय परिणामों को देखकर ही कोई निर्णय लिया जाएं। यह भी देखा जाएं कि ऐसे स्थानों में मानवीय दखल को एक सीमित दायरें तक ही रखा जाएं। इसके साथ ही जलवायु व पर्यावरण विशेषज्ञों का दायित्व अधिक हो जाता है और आवश्यकता होने पर प्रकृति को बचाने के लिए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा। आपदा प्रबंधन को भी ऐसा सिस्टम विकसित करना होगा जिससे इस तरह की घटनाओं की समय रहते चेतावनी मिल सके ताकि कम से कम जन हानि को तो बचाया जा सके।

• डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भागवत का 'डीएनए' संदेश

सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क (अमरीका) में जो संबोधन दिया है, वह उनकी सोच की पुनरावृत्ति ही है, लेकिन संदेश अमरीकी जमीन से दिया गया है, लिहाजा उसकी गूंज 'वैश्विक' है। मुस्लिम धर्मगुरुओं, अमरीकी विचारकों और खुली सोच के समर्थकों ने संबोधन की सराहना की है। उसे स्वागतयोग्य भी माना है, लेकिन चुनौतीपूर्ण भी करार दिया है। आरएसएस अपनी स्थापना के 100 साल मना रहा है, लिहाजा सरसंघचालक अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन के प्रवास पर हैं। बहरहाल भारत में जो जमात संघ-विरोध की राजनीति करती रही है, हर बुराई और विवाद के लिए संघ को ही आरोपित करती रही है, वह पुराने पन्ने खोल कर सरसंघचालक के विरोधाभासों, कथनी-करनी में अंतर, उनके विचारों के उनके अपने ही 'घर' में उल्लंघन सरीखी तोहमतें लगा रहे हैं। संबोधन को संघ-प्रमुख का 'वैचारिक दोगलापन' करार दे रहे हैं। यह सामान्य प्रवृत्ति है। उन्हें ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी देश के संविधान ने दी है। दरअसल सरसंघचालक मोहन भागवत के अमरीकी संबोधन का सारांश यह है कि हिंदू-मुसलमान का 'डीएनए' एक ही है। एकता और विविधता ही हमारा 'डीएनए' है। यदि कोई हिंदू सोचता है कि देश में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह जाएगा। हिंदुत्व का अर्थ मुसलमान को देश के बाहर करना नहीं है। यही भागवत के 'हिंदू राष्ट्र' की कल्पना है। विविधता में एकता ही हमारा राष्ट्रवाद है, सांस्कृतिक एकात्मवाद है। धर्म का लक्ष्य सत्य की ओर ले जाना है। सभी रास्ते एक ही ईश्वर की ओर ले जाते हैं। धर्म अनेक हैं, लेकिन सत्य एक ही है। इनसानियत सबसे मूल्यवान है। सरसंघचालक ने ऐसा संबोधन पहली बार नहीं दिया है। विदेशी जमीन पर यह 'प्रथम संबोधन' हो सकता है! अलबत्ता मोहन भागवत 2018 से यही संदेश लगातार देते रहे हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान भी दिया था कि हरेक मस्जिद के नीचे शिवालय ढूंढना बंद करें।

उसका जबरदस्त असर हुआ और ऐसी सांप्रदायिक कवायदें बहुत कम हो गईं। 'काशी, मथुरा' संघ परिवार और भाजपा के सनातन मुद्दे हैं और कहा जाता रहा है कि अदालत का जो फैसला होगा, वह मान्य होगा। दरअसल सरसंघचालक भागवत अपनी सोच और वैचारिकता में बिल्कुल स्पष्ट हैं, लिहाजा वह हिंदू-मुस्लिम के एकत्व वाले राष्ट्र की कल्पना करते रहे हैं, लेकिन अहम सवाल यह है कि संघ-प्रमुख किन्हें संबोधित करते रहे हैं? संघ के प्रचारक रहे और अब देश के प्रधानमंत्री मोदी खुद 'कपड़ों से पहचानने', 'दाढ़ी-टोपी वाले', 'ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले' और 'आपका मंगल-सूत्र छीनने वाले' आदि सार्वजनिक टिप्पणियां कर मुसलमानों पर आघात करते रहे हैं। भाजपा में एक बड़ी जमात है, जो सार्वजनिक रूप से मुस्लिम-विरोधी है, कट्टर विरोधी है। कांवड़-यात्रा निकलती है, तो मुसलमानों को पहचान छिपानी पड़ती है। उनकी दुकानों, रेहडियों और उनके ढाबों पर अनावश्यक, अनधिकृत जांच के छापे मारे जाते हैं। सर्वोच्च अदालत तक इनके खिलाफ फैसला सुना चुकी है। देश में 'राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर' (एनआरसी) का अभियान असम से चलाया गया, लेकिन प्राथमिक जांच में ही 'हिंदू' या 'बंगाली हिंदू' बहुसंख्यक पाए गए। अभियान पर ढक्कन लगा दिया गया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अब भी एनआरसी के अभियान पर आमादा हैं। हालांकि संघ-प्रमुख के संबोधन के बाद खासकर भाजपा में 'गहरी खामोशी' है, अलबत्ता केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, सांसद निशिकांत दुबे जैसों की भरपूर जमात है, जो बात-बात पर, औसत मुद्दों और विवाद पर, मुसलमानों को पाकिस्तान चले जाने की धमकी देते रहे हैं।

जनरल नॉलेज

मंदिर ट्रस्ट क्या होता है, कैसे चलता है देश के बड़े मंदिरों का मैनेजमेंट?

मंदिर ट्रस्ट किसी भी धार्मिक स्थल के सुरक्षित, पारदर्शी और व्यवस्थित संचालन की मजबूत नींव होते हैं. यह एक कानूनी और प्रशासनिक निकाय है, जो मंदिर की विशाल संपत्तियों, दैनिक धार्मिक व्यवस्थाओं और करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा दिए जाने वाले दान का प्रबंधन पूरी निष्ठा के साथ संभालता है. भारत में मंदिरों का प्रबंधन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें श्रद्धालुओं की सुरक्षा, विशाल बुनियादी ढांचे का रख-रखाव, और कानूनी अनुपालन शामिल हैं. एक रजिस्टर्ड बॉडी होने के नाते यह व्यवस्था को कानूनी मान्यता देने के साथ-साथ वित्तीय जवाबदेही भी तय करती है.

क्या काम करता है ट्रस्ट? -किसी भी धार्मिक स्थल पर रोजमर्रा के धार्मिक अनुष्ठानों का समय पर और सही विधि से संपन्न होना बेहद जरूरी होता है. इसके साथ ही त्योहारों और मेलों के दौरान जुटने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती होती है. प्रशासनिक निकाय इन सभी धार्मिक कार्यों, परिसर की साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था देखता है. भक्तों के रुकने के लिए धर्मशालाओं का निर्माण और परिसर में सुरक्षा तंत्र को मजबूत रखना भी इसी प्रबंधन का प्रमुख हिस्सा है.

बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की कार्यप्रणाली और फैसले - संस्थान के दैनिक और दीर्घकालिक संचालन के लिए एक मजबूत प्रशासनिक ढांचा मौजूद होता है. इसमें अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और अन्य न्यासी शामिल होते हैं. नीतिगत निर्णय, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास या कोई नया वित्तीय प्रावधान करने के लिए बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की औपचारिक बैठकें आयोजित की जाती हैं. किसी भी प्रस्ताव को लागू करने के लिए चर्चा और आवश्यकता पड़ने पर मतदान का सहारा लिया जाता है. इसके अतिरिक्त, विशेष प्रशासनिक और तकनीकी सुधारों के लिए विशेषज्ञ समितियों का गठन भी किया जाता है, जिनकी सिफारिशों पर अंतिम मुहर लगाई जाती है.

टेक्नोलॉजी

Meta का नया AI सुनेगा 5 भारतीय भाषाएं, Muse हुआ लॉन्च

अब AI सिर्फ आवाज को टेक्स्ट में बदलने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बातचीत के दौरान अलग-अलग भाषाओं को भी समझ सकेगा. Meta ने 1 सितंबर को Muse Voice Transcribe नाम का नया स्पीच-टू-टेक्स्ट मॉडल पेश किया है, जो बातचीत को उसी समय टेक्स्ट में बदल सकता है. खास बात यह है कि यह एक ही बातचीत में कई भाषाओं को संभाल सकता है.

Meta के मुताबिक, यह मॉडल 70 से ज्यादा भाषाओं को सपोर्ट करता है, जिनमें भारत की हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ जैसी पांच प्रमुख भाषाएं शामिल हैं. तो आइए जानते हैं कि Meta का नया Muse Voice Transcribe क्या है और ये कैसे काम करता है.

Meta ने 1 सितंबर को Muse Voice Transcribe नाम का नया AI स्पीच-टू-टेक्स्ट मॉडल लॉन्च किया है. यह लोगों की बातचीत को उसी समय सुनकर टेक्स्ट में बदल सकता है. यह एक ही बातचीत के दौरान अलग-अलग भाषाएं बोली जाएं, तो भी यह उन्हें समझ सकता है. Meta के अनुसार, Muse Voice Transcribe 70 से ज्यादा भाषाओं को सपोर्ट करता है. इनमें भारत की हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ जैसी पांच भाषाएं भी शामिल हैं.

Muse Voice Transcribe में क्या है खास? - Muse Voice Transcribe की खासियत इसका कोड-स्विचिंग सपोर्ट है. अगर बातचीत के दौरान कोई व्यक्ति अंग्रेजी से भारतीय भाषा में या एक भाषा से दूसरी भाषा में चला जाता है, तो मॉडल इसे समझने में सक्षम है. इसके लिए अलग-अलग मॉडल या अतिरिक्त प्रोसेसिंग की जरूरत नहीं होगी. माना जा रहा है कि भारत जैसे अलग-अलग भाषाओं का यूज करने वाले देश में यह फीचर खास यूजफुल हो सकता है, जहां लोग बातचीत के दौरान अक्सर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं को मिलाकर बोलते हैं.

यह मॉडल स्ट्रीमिंग ट्रांसक्रिप्शन देता है. इसका मतलब है कि पूरी रिकॉर्डिंग खत्म होने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा. व्यक्ति जैसे-जैसे बोलेगा, उसी के साथ टेक्स्ट तैयार होता जाएगा. Meta के अनुसार, यह 20 से ज्यादा लोगों वाली रिकॉर्डिंग में अलग-अलग स्पीकर्स की आवाज पहचान सकता है और एक घंटे से लंबी रिकॉर्डिंग को भी संभाल सकता है.

तेज जवाब के साथ सही ट्रांसक्रिप्शन - Muse Voice Transcribe हर शब्द के लिए यह तय करता है कि उसे कितनी देर सुनना जरूरी है. आसान शब्दों पर यह तेजी से प्रतिक्रिया देता है, जबकि मुश्किल शब्दों को पहचानने के लिए थोड़ा ज्यादा समय ले सकता है. Meta के अनुसार, 1 सितंबर 2026 तक यह मॉडल Artificial Analysis की स्ट्रीमिंग स्पीच-टू-टेक्स्ट लीडरबोर्ड पर पहले नंबर पर था.

Muse Voice Transcribe को Meta के Model API के जरिए इस्तेमाल किया जा सकता है. Meta के अनुसार, इसका इस्तेमाल Meta AI for Mac और Muse Code में डिक्टेशन के लिए भी किया जा रहा है. API की कीमत 1,000 ऑडियो मिनट के लिए $3 है, जो Meta के अनुसार करीब $0.18 प्रति घंटे के बराबर बैठती है.

सिक्किम की घुमावदार राहों पर रोमांच का सफर
जुलुक-नाथांग वैली बनी पर्यटकों की पसंद

गंगटोक। पूर्वी सिक्किम का जुलुक और नाथांग वैली क्षेत्र प्राकृतिक खूबसूरती और रोमांच से भरपूर पर्यटन स्थल के रूप में पहचान बना चुका है। यहां से गुजरने वाला पुराना सिल्क रूट कभी भारत और चीन के बीच व्यापारिक संपर्क का महत्वपूर्ण मार्ग हुआ करता था। यह रास्ता ल्हासा, नाथू ला और जेलेप ला दर्रों से होकर पश्चिम बंगाल के ताम्रलिप्त बंदरगाह तक पहुंचता था। आज इतिहास से ज्यादा यह मार्ग अपनी घुमावदार जिग-जैग सड़कों, बर्फ से ढकी पहाड़ियों, रंग-बिरंगे रोडोडेंड्रोन और मनमोहक प्राकृतिक दृश्यों के लिए प्रसिद्ध है। यहां से सूर्योदय का नजारा और दूर दिखाई देती कंचनजंघा पर्वत श्रृंखला पर्यटकों को खासा आकर्षित करती है। सर्दियों में बर्फ से ढका पूरा इलाका किसी खूबसूरत तस्वीर जैसा नजर आता है। स्थानीय लोगों की सादगी और मेहमाननवाजी भी पर्यटकों के अनुभव को यादगार बना देती है।

न्यूज ट्रैक

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा की सुरक्षा में तैनात रहेंगे दो पुलिसकर्मी : हाई कोर्ट

कोलकाता. एजेंसी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा को उनके संसदीय क्षेत्र में जाने के दौरान पुलिस सुरक्षा देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि महुआ जब भी अपने संसदीय क्षेत्र में प्रवेश करेंगी, उनके साथ कम से कम दो पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं। यह सुरक्षा फिलहाल 30 दिनों के लिए दी गई है। मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर को होगी। अदालत ने कहा कि महुआ को अपने संसदीय क्षेत्र में काम करने के दौरान किसी तरह की परेशानी या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है।

पीएम मोदी की तस्वीर हटाने के मामले में मनसे के दो कार्यकर्ता गिरफ्तार

मुंबई. एजेंसी। पुणे स्थित सरकारी पालिटेक्निक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीर हटाने के मामले में पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने एमएनएस नेता और पार्टी प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे समेत अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस बीच, मंगलवार को मुंबई के दादर और माहिम में भाजपा युवा मोर्चा और एमएनएस कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की स्थिति बन गई। पुलिस को हस्तक्षेप कर कई लोगों को हिरासत में लेना पड़ा। चतु:शृंगी थाने के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, सरकारी पॉलिटेक्निक में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर हटाए जाने के मामले में पूछताछ के लिए दो एमएनएस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।

बिना पूछे बनाई रील और उड़ाया मजाक मेटा को 2 करोड़ रुपए का भेजा नोटिस

नई दिल्ली. एजेंसी। दिल्ली के एक व्यक्ति ने इंस्टाग्राम पर एक क्रिएटर और मेटा प्लेटफॉर्म्स को कानूनी नोटिस भेजा है। आरोप है कि एक कैफे में रे-बैन मेटा स्मार्ट ग्लास का इस्तेमाल कर उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उसकी गुप्त रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। बाद में यह फुटेज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दी गई, जिसे 4.19 लाख से अधिक बार देखा गया। 24 अगस्त को जारी किए गए नोटिस में व्यक्ति ने वीडियो तुरंत हटाने, माफी मांगने और हर्जाने के रूप में 2.05 करोड़ रुपए का भुगतान करने की मांग की है। नोटिस में मेटा को दो स्तरों पर जिम्मेदार ठहराया गया है। पहला, इंस्टाग्राम के मालिक के रूप में, जिसने शिकायतें मिलने के बाद भी वीडियो को प्लेटफॉर्म पर होस्ट रखना जारी रखा। दूसरा, उस तकनीकी कंपनी के रूप में जिसने कैमरा युक्त स्मार्ट ग्लास का डिजाइन और मार्केटिंग की। इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) ने पीड़ित को नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान की है।

स्पाई कैमरे, पेन कैमरा और एआई गैजेट्स से बनाते थे आपत्तिजनक फुटेज

जेल से बाहर आते ही श्वेता जैन ने खड़ा किया 'हनी ट्रैप-2' गिरोह

इंदौर, एजेंसी

बहुचर्चित हनी ट्रैप मामले की मुख्य आरोपी श्वेता जैन के जेल से बाहर आने के बाद कथित तौर पर नया गिरोह खड़ा करने का खुलासा हुआ है। इंदौर क्राइम ब्रांच ने हनी ट्रैप-2 मामले में 600 से अधिक पेज का पूरक चालान अदालत में पेश किया है। जांच में सामने आया कि श्वेता ने जेल में रहते हुए ही नए गिरोह की रणनीति तैयार कर ली थी। जमानत पर बाहर आने के बाद उसने सागर की रेशू के साथ मिलकर कथित तौर पर रसूखदार लोगों को निशाना बनाना शुरू किया।

पुलिस के मुताबिक, गिरोह बड़े राजनेताओं, प्रॉपर्टी कारोबारियों, बिजनेसमैन और शराब कारोबार से जुड़े लोगों को जाल में फंसाकर उनकी आपत्तिजनक तस्वीरें और वीडियो तैयार करता था। इसके लिए स्पाई कैमरे, पेन कैमरे, बटन कैमरे और अन्य आधुनिक गैजेट्स का इस्तेमाल किया जाता था।

इंदौर में 18 मई को दर्ज हुई थी एफआईआर

मामला तब सामने आया जब शराब एवं प्रॉपर्टी कारोबारी हितेंद्र उर्फ चिंटू ठाकुर ने 18 मई 2026 को क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। आरोप है कि 28 अप्रैल की रात सुपर कॉरिडोर पर उसकी गाड़ी रोककर एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई और प्रॉपर्टी कारोबार में हिस्सेदारी देने का दबाव बनाया गया। जांच के दौरान पुलिस ने भोपाल से श्वेता और सागर से रेशू को गिरफ्तार किया। रेशू के घर से नौ मोबाइल फोन, स्पाई कैमरे, 32 जीबी मेमोरी कार्ड, पेन कैमरे और बटन कैमरे जब्त किए गए। पुलिस का दावा है कि बरामद डिजिटल सामग्री में कई प्रभावशाली लोगों से जुड़े फुटेज मिले हैं। जांच अभी जारी है।

28 अप्रैल को कारोबारी की गाड़ी रोककर एक करोड़ रुपए की मांग की गई थी

हनी ट्रैप-2 मामले की जांच की शुरुआत कारोबारी हितेंद्र उर्फ चिंटू ठाकुर की शिकायत से हुई। आरोप है कि 28 अप्रैल 2026 की रात सुपर कॉरिडोर पर उनकी गाड़ी रोककर एक करोड़ रुपये की मांग की गई। आरोपियों ने प्रॉपर्टी कारोबार में हिस्सेदारी देने का दबाव भी बनाया। शिकायत के बाद क्राइम ब्रांच ने मामले की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं। जांच के दौरान अलका दीक्षित के कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगाले गए, जिसमें इंटेलिजेंस विंग के तत्कालीन हेड कांस्टेबल विनोद शर्मा की भूमिका भी संदिग्ध मिली। पुलिस ने उसे भी मामले में आरोपी बनाया। उसके मोबाइल से कई संदिग्ध वीडियो बरामद होने की बात सामने आई। इसके बाद श्वेता जैन और रेशू तक जांच पहुंची। दोनों की गिरफ्तारी के बाद कथित गिरोह के संपर्कों और गतिविधियों से जुड़े कई अहम सुराग पुलिस के हाथ लगे।

स्पाई कैमरों से लेकर डिजिटल सबूत तक

क्राइम ब्रांच की जांच में कथित हनी ट्रैप गिरोह के काम करने के तरीके को लेकर कई अहम जानकारी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य रसूखदार लोगों से संपर्क बढ़ाने के बाद आधुनिक तकनीक की मदद से आपत्तिजनक फुटेज तैयार करते थे। सागर में रेशू के ठिकाने पर छापेमारी के दौरान नौ मोबाइल फोन, स्पाई कैमरे, पेन कैमरे, बटन कैमरे और 32 जीबी का मेमोरी कार्ड जब्त किया गया। जांच एजेंसी का दावा है कि बरामद डिजिटल सामग्री में कई प्रमुख हस्तियों से जुड़े वीडियो और तस्वीरें मिली हैं। पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड और मोबाइल से मिले डेटा को भी जांच का अहम आधार बनाया है। 600 से अधिक पेज के पूरक चालान में श्वेता जैन और रेशू को कथित गिरोह की प्रमुख कड़ियों के रूप में बताया गया है। मामले में जांच अब भी जारी है।

सभी राज्य जजों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष करें : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष करने पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक अधिकारी आम सरकारी कर्मचारियों की तुलना में अपेक्षाकृत देर से न्यायिक सेवा में आते हैं। ऐसे में उनकी सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने से राज्यों पर ऐसा अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा, जिसे आधार बनाकर प्रस्ताव का विरोध किया जाए।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची तथा वी. मोहना की पीठ ने न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने को लेकर हिचकिचा रहे राज्यों के एडवोकेट जनरल से कहा कि वे अपने मुख्यमंत्रियों को मनाने का प्रयास करें। कुछ राज्यों ने न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति आयु अन्य सरकारी कर्मचारियों के समान 58 या 60 वर्ष रखने का सुझाव दिया था। पीठ ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि न्यायिक सेवा में आने तक जज काफी उम्र पार कर चुके होते हैं। ऐसे में उन्हें 62 वर्ष तक सेवा का अवसर देने से राज्यों पर कोई असामान्य वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

होटल में नाबालिग से रेप के बाद भड़का गुस्सा, पथराव फिर तोड़फोड़

ऋषिकेश, एजेंसी

नाबालिग के साथ जिस होटल में दुष्कर्म हुआ उसके संचालक और प्रबंधक की भूमिका से नाराज गुस्साई भीड़ ने होटल में पथराव और तोड़फोड़ की।

भीड़ में शामिल कुछ लोग बुलडोजर लेकर होटल के बाहर पहुंच गए। होटल संचालन से जुड़ी एक महिला और भीड़ में शामिल महिलाओं के बीच मारपीट हो गई। करीब दो घंटे तक हंगामे की स्थिति बनी रही। पुराना रेलवे रोड के पास स्थित होटल गंगा इन में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के बाद होटल विवादों में घिरा हुआ था। पीड़िता के स्वजन और बड़ी संख्या में लोग होटल के बाहर पहुंचे। गुस्साई भीड़ ने होटल में पथराव कर फ्रंट के शीशों को तोड़ दिया। अंदर जाकर भी तोड़फोड़ की। होटल संचालन से जुड़ी एक महिला और भीड़ में शामिल महिलाओं के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान मारपीट हो गई। पुलिस महिला को गाड़ी में बैठाकर वहां से ले गई। इसके बाद होटल में प्रवेश करने वाले शटर बंद कर दिए गए। इस बीच भीड़ में शामिल कुछ लोग बुलडोजर लेकर होटल के बाहर पहुंच गए। वह होटल को गिराने या सील करने की मांग पर अड़ गए। करीब दो घंटे तक हंगामे की स्थिति बनी रही। पुलिस के कार्रवाई के आश्वासन के बाद लोग होटल के बाहर से हटे। पुलिस ने जब होटल के रजिस्टर खंगाले तो वहां पहले भी अधूरे दस्तावेजों के आधार पर कमरा देने की बात सामने आई।

रोहिणी हत्याकांड में भतीजी समेत तीन गिरफ्तार
80 लाख रुपए के लालच में घर में भेजे थे हत्यारे

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहिणी सेक्टर-3 में मंगलवार रात 60 वर्षीय राकेश खन्ना की हत्या कर दी गई। वारदात के समय वह घर में अकेले थे। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए मृतक की साली की बेटी सिमरन समेत पारस और चिराग को गिरफ्तार कर लिया। हत्याकांड में सिमरने के प्रेमी हिमांशु का भी नाम सामने आया है। फिलहाल, पुलिस की उसकी तलाश कर रही है। जांच और पूछताछ में पता चला है कि वे बुजुर्ग द्वारा कुछ समय पहले बेचे गए फ्लैट की मोटी रकम को हड़पने की फिराक में थे। यह रकम करीब 80 लाख बताई जा रही है।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग को अकेला देखकर आरोपितों ने

लूटपाट के इरादे से वारदात को अंजाम दिया। हालांकि पुलिस अभी आरोपितों से पूछताछ कर रही है और हत्या की पूरी वजह की जांच जारी है। बताया जा रहा है कि घटना के समय राकेश की पत्नी बाजार गई हुई थीं। इसी दौरान कुछ लोग घर में पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, सिमरन एक निजी स्कूल में शिक्षिका है। वहीं, चिराग जिम में प्रशिक्षक है, जबकि पारस 12वीं कक्षा का छात्र है और पहले भी एक मामले में पकड़ा जा चुका है। पुलिस के अनुसार, राकेश खन्ना की हत्या की साजिश सिमरन ने अपने प्रेमी हिमांशु के साथ मिलकर रची थी। हिमांशु जिम चलाता है। साजिश के तहत सिमरन ने पहले अपनी मौसी को कुछ रिश्तेदारों के साथ मेला देखने के लिए भेज दिया, ताकि वारदात के समय घर पर कोई मौजूद न रहे। इसके बाद डुप्लीकेट चाबी की मदद से पारस और चिराग को घर के अंदर भेजा गया, जहां दोनों ने बुजुर्ग राकेश खन्ना की हत्या कर दी। अब तक हिमांशु पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। पुलिस का दावा है कि राकेश खन्ना ने हाल ही में अपना फ्लैट करीब 80 लाख रुपए में बेचा था।

फैसला

'मां को छोड़ो, अलग घर में रहो'... पत्नी की जिद पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

बीमार बुजुर्ग मां से दूर रहने से पति का इनकार क्रूरता नहीं

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि पति का अपनी बुजुर्ग और बीमार मां को छोड़कर अलग रहने से इनकार करना पत्नी के प्रति क्रूरता नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने पति की तलाक की अपील मंजूर करते हुए ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें उसकी तलाक याचिका खारिज कर दी गई थी।

जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी ने कहा कि अलग घर में रहने की मांग को हर स्थिति में क्रूरता नहीं माना जा सकता। जीवनसाथी के पास अलग रहने के वाजिब कारण हो सकते हैं, लेकिन

अदालत को परिस्थितियों को देखते हुए यह तय करना होगा कि मांग उचित है या फिर दूसरे जीवनसाथी को अपने माता-पिता से संबंध तोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश।

मामले में पति की मां काफी बुजुर्ग और बीमार थीं। पति ने उनके साथ रहने और उनकी देखभाल से पीछे हटने से इनकार किया था। हाईकोर्ट ने इसे स्वाभाविक और उचित पारिवारिक जिम्मेदारी माना। कोर्ट ने कहा कि शादी के बाद व्यक्ति का नया परिवार जरूर बनता है, लेकिन इससे बुजुर्ग या बीमार माता-पिता के प्रति उसकी पहले से मौजूद नैतिक और कानूनी जिम्मेदारियां खत्म नहीं हो जातीं। वैवाहिक रिश्ता किसी व्यक्ति को अपने माता-पिता से मुंह मोड़ने के लिए मजबूर करने का असीमित अधिकार नहीं देता।

परिस्थितियां देखना भी जरूरी

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि पत्नी का अलग घर में रहने की इच्छा जताना अपने आप में गलत या क्रूरता नहीं है। कई वैवाहिक परिस्थितियों में पति-पत्नी के पास अलग रहने के उचित कारण हो सकते हैं। हालांकि, मामले के पूरे हालात को देखना जरूरी है। अदालत को यह जांचना होता है कि अलग घर की मांग किसी वास्तविक समस्या से जुड़ी है या फिर जीवनसाथी पर उसके माता-पिता से संबंध खत्म करने का दबाव बनाया जा रहा है। इस मामले में पति की मां काफी बुजुर्ग और बीमार थीं। ऐसे में पत्नी की ओर से पति को मां से अलग रहने के लिए लगातार दबाव डालने के सवाल पर कोर्ट ने परिस्थितियों का मूल्यांकन किया।

शादी के बाद भी माता-पिता की जिम्मेदारी कायम : कोर्ट

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में परिवार और वैवाहिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि शादी व्यक्ति के जीवन में नया परिवार जरूर जोड़ती है, लेकिन इससे बुजुर्ग या बीमार माता-पिता के प्रति उसकी जिम्मेदारियां समाप्त नहीं हो जातीं। खासकर तब, जब माता-पिता को देखभाल की जरूरत हो। कोर्ट के मुताबिक, किसी जीवनसाथी को यह असीमित अधिकार नहीं मिल जाता कि वह दूसरे को उसकी पहले से चली आ रही पारिवारिक जिम्मेदारियां छोड़ने के लिए मजबूर करे।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित

हैंड्सकॉम्ब, सैम कोंस्टास को मौका

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत ए टीम के खिलाफ होने वाली दो चार दिवसीय, और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम की घोषणा कर दी गई है। पीटर हैंड्सकॉम्ब को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में जगह मिली है। इससे उनके टेस्ट करियर को एक और मौका मिल सकता है। टीम में ब्रेंडन डॉगेट और झाई रिचर्डसन भी हैं। ऑस्ट्रेलिया ए इस महीने के आखिर में दौरे के चार दिवसीय मैचों के लिए पुडुचेरी जाएगी, जिसके बाद तीन 50-ओवर के मैच होंगे। भारत ए के खिलाफ सीरीज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले दौरे पर आ रहे कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास सीनियर टीम में जगह बनाने का यह मौका है। 35 साल के हैंड्सकॉम्ब चार दिन की टीम में सबसे उम्रदराज और सबसे अनुभवी खिलाड़ी

हैं। दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के पिछले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टूर के सभी चार टेस्ट में खेलने के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है और न ही ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला है। आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया के भारत लौटने के साथ, यह टूर उन्हें सीनियर टीम में वापसी की दावेदारी का मजबूत मौका देता है। ऑस्ट्रेलिया सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन के लिए अपने तेज गेंदबाजी विकल्प को देख रहा है, इसलिए डॉगेट और रिचर्डसन पर भी ध्यान देने की संभावना है। रिचर्डसन कंधे की कई बड़ी सर्जरी के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लौटे हैं, जबकि टॉड मर्फी, सैम कॉन्स्टास और नाथन मैकस्वीनी उन नौ खिलाड़ियों में शामिल हैं जो पिछले साल लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के चार-दिवसीय मैचों से लौटे हैं। युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन स्पेंसर जॉनसन के साथ वन-डे टीम में हैं।'

आईसीसी रैंकिंग

विमेंस एशिया कप में ऑलराउंडर प्रदर्शन, टी20 करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचीं अट्टापट्टू

दुबई । विमेंस एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन के साथ श्रीलंकाई कप्तान चामरी अट्टापट्टू आईसीसी विमेंस टी20 प्लेयर रैंकिंग में तीनों कैटेगरी में अपने करियर की बेस्ट रेटिंग प्वाइंट्स तक पहुंच गई हैं। अट्टापट्टू ने 29 अगस्त को यूएई के खिलाफ ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने 25 गेंदों में नाबाद 48 रन बनाए। बतौर गेंदबाज 3 ओवरों में 10 रन देकर 1 विकेट हासिल किया। कप्तान के इस प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 9 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस नतीजे से अट्टापट्टू बल्लेबाजों की रैंकिंग में 734 रेटिंग प्वाइंट्स, गेंदबाजों में 552 और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में 405 प्वाइंट्स के साथ अपने करियर की सबसे बेहतरीन स्थिति में पहुंच गईं। वह टी20 बल्लेबाजों में छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि गेंदबाजी सूची में तीन स्थान ऊपर चढ़कर 33वें स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑल-राउंडर्स में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। अट्टापट्टू का यह प्रदर्शन इस साल की शुरुआत में आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में उनके अच्छे प्रदर्शन के बाद आया है, जहां उन्होंने श्रीलंका के लिए 172 रन बनाए थे और तीन विकेट लिए थे। उनकी ओपनिंग पार्टनर इमेशा दुलानी ने भी लेटेस्ट अपडेट में काफी सुधार किया है। यूएई के खिलाफ 18 गेंदों पर 25 रन की पारी खेलने वाली दुलानी चार स्थान ऊपर चढ़कर 625 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ 18वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। वहीं, हर्षिता समरविक्रमा बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर आ गई हैं। श्रीलंकाई गेंदबाजों को भी टूर्नामेंट के अपने शानदार ओपनिंग मैच का फायदा मिला है। मिताली अयोध्या ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे यूएई का स्कोर 79 रन तक सीमित रहा और वह 18 स्थान ऊपर चढ़कर 70वें स्थान पर पहुंच गई।

काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंट टीम

सरे से जुड़े औकिब नबी

फ्रेंचाइजी के लिए खेलेंगे 3 मुकाबले

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय टीम में चुने गए तेज गेंदबाज औकिब नबी काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लिश काउंटी टीम 'सरे' से जुड़ गए हैं, जिसके लिए 3 मैच खेलेंगे। 29 वर्षीय खिलाड़ी ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय घरेलू क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने टूर्नामेंट में 60 विकेट लिए और जम्मू-कश्मीर को उसका पहला खिताब जिताने में मदद की। नबी अब सरे के लिए यॉर्कशायर, ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ होने वाले अगले तीन मुकाबलों में खेलेंगे। 'आईएएनएस' ने 28 अगस्त को खबर दी थी कि नबी के रविवार को सरे से जुड़ने और काउंटी चैंपियनशिप में खेलने की संभावना है। नबी सरे के लिए तीन मैच खेलेंगे, जिसकी शुरुआत 2 सितंबर को 'द ओवल' में यॉर्कशायर के खिलाफ मैच से होगी। इसके बाद क्रमशः 8 और 15 सितंबर को होव और 'द ओवल' में ससेक्स और ग्लैमॉर्गन के खिलाफ मैच होंगे।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने रविवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'हां, सभी कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद औकिब को इंग्लैंड जाने के लिए वीजा मिल गया है। माना जा रहा है कि वह आज नई दिल्ली से इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह 2 सितंबर से शुरू होने वाले मैच के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। इस दौरे का मुख्य मकसद भारतीय टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं के लिए यह देखना भी है कि क्या नबी इंग्लैंड में गेंद को अच्छी तरह से स्विंग करा सकते हैं, क्योंकि न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें रेड कूकाबुरा गेंद के साथ अनुकूल परिस्थितियों में ऐसा करने की जरूरत होगी।'

नबी को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए चोटिल जसप्रीत बुमराह के स्थान पर चुना गया था, हालांकि उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिल सका, क्योंकि भारत दोनों मुकाबलों में दो तेज गेंदबाजों के साथ उतरा था।

विमेंस डीपीएल

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को हराया

नई दिल्ली । विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के खिलाफ 2 रन से रोमांचक जीत दर्ज की। अब दोनों टीमें फाइनल मैच में बुधवार को फिर से आमने-सामने होंगी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 5 विकेट खोकर 126 रन बनाए।

ओपनर नजमा 2 रन पर आउट हो गईं, जबकि शिवी शर्मा 3 रन पर आउट हुईं, जिससे टीम 12/2 के स्कोर पर दबाव में आ गई। इसके बाद कप्तान आयुषी सोनी ने 55 गेंदों पर नाबाद 62 रनों की अहम पारी खेली और सात चौकों की मदद से पारी को संभाला। अर्चना ने 14 गेंदों पर 21 रन बनाकर टीम को जरूरी गति दी, जबकि समायरा राघव ने 26 गेंदों पर 32 रनों का अहम योगदान दिया, जिसमें दो चौके और एक छक्का शामिल था।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए रूपाली विश्व मोहन ने 23 रन देकर 2 विकेट लिए। इनके अलावा, मयूरी सिंह, तनिषा सिंह और एकता भड़ाना ने 1-1 विकेट निकाला। 126/5 के मामूली स्कोर का बचाव करते हुए, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने अनुशासित गेंदबाजी की और तनावपूर्ण आखिरी ओवर में संयम बनाए रखते हुए साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 124/7 के स्कोर पर रोक दिया। भले ही साउथ दिल्ली की शुरुआत ठीक रही, लेकिन टीम के लिए कोई निर्णायक साझेदारी नहीं हुई।

प्रिया पुनिया ने 30 गेंदों पर सर्वाधिक 31 रन बनाए, जबकि तनीषा सिंह ने 24 रन और कप्तान श्वेता सहरावत ने 12 गेंदों पर 20 रन की पारी खेली।

वैभव, अभिमन्यु के साथ चमके मुकेश

'सेंट्रल' को 4 विकेट से हराकर फाइनल में 'ईस्ट जोन'

बेंगलुरु । ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के 'सेमीफाइनल-1' में सेंट्रल जोन के खिलाफ मुकाबले के तीसरे दिन 4 विकेट से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। कुल 7 विकेट हासिल करने वाले मुकेश कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब फाइनल मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 6 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें ईस्ट जोन की भिड़ंत सेमीफाइनल-2 (नॉर्थ जोन बनाम साउथ जोन) की विजेता टीम से होगी। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए। इस पारी में रिंकू सिंह ने सर्वाधिक 60 रन जड़े, जबकि आर्यन जुयाल ने 46 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, यश ठाकुर ने नाबाद 30 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार (56/3) और अभिजीत सरकार ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद शमी और कौनेन कुरैशी ने 2-2 विकेट चटकाए। इसके जवाब में ईस्ट जोन भी अपनी पहली पारी में 266 रन ही बना सकी। सलामी जोड़ी के रूप में वैभव सूर्यवंशी ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रन की साझेदारी की। वैभव 81 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 92 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिमन्यु ने 8 चौकों के साथ 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा सुदीप कुमार ने 25 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से हर्ष दुबे ने 4 विकेट झटके। आर्यन पांडे और यश ठाकुर को 3-3 विकेट हाथ लगे। सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 97 के स्कोर तक 8 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अरशद खान ने हर्ष दुबे के साथ 9वें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शर्मनाक स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश की। हर्ष 3 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद अरशद (25) ने यश ठाकुर (नाबाद 4) के साथ 18 रन जोड़े। इस पारी में मुकेश कुमार ने 44 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, मोहम्मद शमी ने 3 शिकार किए।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित

वैभव को मौका, बुमराह भी शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए मंगलवार को 15-सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर टीम की कमान संभालेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तानी सौंपी गई है। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने पिछले मौके को बखूबी भुनाया था। इस टीम में नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा को फिटनेस के आधार पर शामिल किया गया है, लेकिन मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को मौका नहीं मिला। टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे नियमित खिलाड़ी शामिल हैं। हर्षित राणा की भी टीम में वापसी हुई है, जबकि जुलाई में जिम्बाब्वे में खेलने वाली टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं। जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में न चुने जाने के बाद संजू सैमसन की वापसी हुई है। नियमित तेज गेंदबाजों की वापसी से गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव हुए हैं। अर्शदीप के साथ बुमराह और हर्षित शामिल हैं। प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा और मयंक यादव, जो सभी जिम्बाब्वे दौरे पर गई टीम का हिस्सा थे, इस बार टीम में जगह नहीं बना सके। हार्दिक पांड्या को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर को वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद 15 सितंबर को दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 17 सितंबर को खेला जाना है। तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2026 में अपना जलवा बिखेरा है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 92 और 40 रन की पारियां खेली थीं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी*, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर*, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह*, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा*।

व्यापार

फेस्टिव सीजन में निवेशकों की मौज! इस महीने आईपीओ से 25,000 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सितंबर का महीना उन निवेशकों के लिए शानदार रहने वाला है पैसा लगाना पसंद करते हैं। कंपनियां इस महीने 20,000 से 25,000 करोड़ रुपये के लॉन्च करने वाली हैं। जानकारों के मुताबिक, सितंबर में करीब 25 कंपनियां अपना लाने की लाइन में खड़ी हैं। इनमें से कई कंपनियां अपनी लिस्टिंग इसलिए पूरी करना चाहती हैं ताकि मार्केट रेगुलेटर सेबी से मिली उनकी मंजूरी लैप्स न हो जाए। इस लिस्ट में बड़ी और मध्यम दोनों तरह की कंपनियां शामिल हैं, जिनमें से कई कंपनियां 500 करोड़ रुपये से ज्यादा जुटाने की तैयारी में हैं। जेएम फाइनेंशियल की एमडी और सीईओ (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग) सोनिया दासगुप्ता ने श्रञ्ज को बताया कि सितंबर में आने वाले की लाइन दिखाती है कि भारतीय शेयर बाजार कितना मजबूत है। यह इस बात का भी संकेत है कि कंपनियों के मन में जो हिचक थी, वह अब दूर हो रही है। इसी साल अप्रैल में सेबी ने उन कंपनियों को एक बार की छूट दी थी, जिनके आईपीओ की मंजूरी 1 अप्रैल से 30 सितंबर 2026 के बीच खत्म होने वाली थी। उन्हें इस मंजूरी का इस्तेमाल 30 सितंबर तक करने की इजाजत दी गई है।

टाटा ग्रुप में एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया रुकी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में एन चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी का खोज का काम रुका हुआ है। इसकी वजह एक रेगुलेटरी अड़चन है। चंद्रशेखरन ने पिछले महीने घोषणा की थी कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं करेंगे। उनका कार्यकाल फरवरी तक है। लेकिन ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखरन की घोषणा के करीब तीन हफ्ते बाद भी टाटा ग्रुप उनके उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया शुरू नहीं कर पाया है। सूत्रों के मुताबिक चंद्रशेखरन के उत्तराधिकारी की खोज की प्रक्रिया इसलिए रुकी हुई है क्योंकि सर रतन टाटा ट्रस्ट के खिलाफ एक जांच चल रही है। इस कारण वह अपनी आंतरिक बैठकें नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि स्त्रञ्ज पांच सदस्यीय जॉइंट सर्च पैनल के लिए अपना प्रतिनिधि नामित नहीं कर पा रहा है। टाटा ट्रस्ट्स का टाटा संस में मैज्योरिटी स्टेक है। इसके चेयरमैन नोएल टाटा हैं। सूत्रों का कहना है कि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए टाटा ट्रस्ट्स ने महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर से को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट द्वारा घोषित पैनल में अपना प्रतिनिधि नियुक्त करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स के प्रतिनिधियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। आयोजित करने के लिए तीन महीने की मोहलत दी है। SRTT की ओर से मीटिंग्स पर रोक लगाने की वजह से टाटा संस को पिछले महीने कोरम पूरा न होने के कारण अपनी सालाना आम बैठक टालनी पड़ी थी। कंपनी के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ था। टाटा संस की अगली बोर्ड मीटिंग 17 सितंबर को होनी है।

नौकरी नहीं छोड़ते तो कितना कमाते ट्रेडर ने बताया 1.5 करोड़, मां बोली- हर महीने 12 लाख का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। हाई सैलरी वाली कॉरपोरेट नौकरी छोड़कर फुल-टाइम स्टॉक ट्रेडिंग को करियर बनाने वाले एक ट्रेडर की कहानी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। ट्रेडर सौरव ने एक्स पर अपनी कहानी शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने कई साल पहले 33 साल की उम्र में कॉरपोरेट नौकरी छोड़ने का फैसला किया था। उनके इस फैसले का परिवार के लोगों ने विरोध भी किया था। सौरव के मुताबिक, उनके पिता ने भी उन्हें सलाह दी थी कि नौकरी जारी रखते हुए शेयर बाजार में ट्रेडिंग करें। उनका मानना था कि स्थिर आमदनी वाली नौकरी छोड़ने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, सौरव ने अपनी नौकरी छोड़ने और पूरी तरह अपने हिसाब से जिंदगी जीने का फैसला किया। सौरव ने बताया कि आज पीछे मुड़कर देखने पर उन्हें अपना यह फैसला जिंदगी के सबसे अच्छे फैसलों में से एक लगता है। हाल ही में उनकी मां ने उनसे पूछा कि अगर उन्होंने कॉरपोरेट नौकरी नहीं छोड़ी होती तो आज उनकी कमाई कितनी होती। सौरव ने अनुमान लगाया कि अगर वह नौकरी में बने रहते तो उनकी सालाना सैलरी अब तक कम से कम 1.5 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती थी। उनकी मां ने तुरंत इसका हिसाब लगाया और मजाकिया अंदाज में कहा कि नौकरी छोड़कर वह करीब 12 लाख रुपये हर महीने गंवा रहे हैं।

4 महीने में ही पीएम मोदी की अपीलों का ऐसा असर! 32% बढ़ गया सोने का आयात, सितंबर से फरवरी में बड़ा खेला

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 सितंबर को एक बार फिर भारतीयों से सोना न खरीदने की अपील की, जिससे यह कीमती पीली धातु एक बार फिर चर्चा में आ गई है। इसी साल मई के बाद पीएम की यह दूसरी ऐसी अपील है, जिसके कारण ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई है। माना जा रहा है कि त्योहारों और शादियों के अहम सीजन से ठीक पहले इस अपील से बिक्री पर बुरा असर पड़ सकता है। मध्य एशियाई देश किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक से मंगलवार को वीडियो मैसेज के जरिए की गई यह अपील ऐसे समय में आई है जब भारत ने इस तिमाही

में उम्मीद से बेहतर 7.8% की आर्थिक वृद्धि दर्ज की है।

भारतीय परिवारों के लिए सोना अक्सर सिर्फ गहनों से कहीं ज्यादा होता है। यह बचत, सुरक्षा और परंपरा तीनों का मेल है। फिर भी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीयों से इसे खरीदने से पहले अच्छी तरह सोचने के लिए कह रहे हैं, जब तक कि इसकी सचमुच जरूरत न हो। इस साल की गई ऐसी दूसरी अपील के कारण ज्वेलरी कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट आई है, क्योंकि त्योहारों और शादियों के अहम सीजन से ठीक पहले इस कदम से बिक्री पर असर पड़ सकता है। मंगलवार को मोदी ने अपनी अपील दोहराते हुए लोगों से कहा कि वे सोने की गैर-जरूरी खरीदारी से बचें और इसके बजाय 'स्वदेशी' और आत्मनिर्भरता पर ज्यादा जोर दें। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा सोना इस्तेमाल करने वाले देशों में से एक है, लेकिन मांग के मुकाबले घरेलू उत्पादन बहुत कम है। इसलिए, ज्वेलरी और निवेश के लिए इस्तेमाल होने वाले ज्यादातर सोने का आयात करना पड़ता है।

सोना 2,000 टूटा, चांदी में 3,500 की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज भारी गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 2,000 रुपये से ज्यादा सस्ता हो गया जबकि चांदी की कीमत में 3,500 रुपये से ज्यादा गिरावट आई है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। इसका असर सोने और चांदी की कीमत पर देखने को मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर बिकवाली के बीच दिल्ली में सोने की कीमतों में मंगलवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट आई। स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,700 रुपये घटकर लगभग दो सप्ताह के निचले स्तर 1,58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई, जबकि सोमवार को यह 1,60,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। पिछले पांच सत्रों में सोने में 8,900 रुपये या 5.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। 25 अगस्त को इसकी कीमत 1,67,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। चांदी की कीमत में भी 5,000 रुपये की गिरावट आई और यह 2,40,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) रह गई। सोमवार को

यह 2,45,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रही थी। एससीएक्स पर 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,51,729 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था और आज 1,50,033 रुपये पर खुला।

'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' की मासूम गीता से 'खाकी' की दबंग नेता तक

हर रंग में माहिर हैं चित्रांगदा

साल 2005 में निर्देशक सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' से चित्रांगदा ने बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उन्होंने गीता का किरदार निभाया था। कॉलेज की छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनका किरदार बेहद संवेदनशील था। चित्रांगदा ने इसे इतनी सहजता से निभाया कि दर्शकों और आलोचकों दोनों ने उनकी तारीफ की। पहली ही फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड भी मिला।

हिंदी सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से लोगों के दिलों में जगह बना ली। चित्रांगदा सिंह भी ऐसी ही अभिनेत्री हैं। पर्दे पर उनकी मौजूदगी जितनी खूबसूरत लगती है, उनके किरदारों में उतनी ही गहराई भी दिखाई देती है। कभी उन्होंने 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' में संवेदनशील और मासूम गीता बनकर दर्शकों का दिल जीता, तो कभी 'बाजार', 'बॉब बिस्वास' और 'गैसलाइट' जैसे प्रोजेक्ट्स में अलग-अलग रंग दिखाए। हाल के वर्षों में 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' में एक प्रभावशाली राजनीतिक किरदार निभाकर उन्होंने फिर साबित किया कि वह सिर्फ ग्लैमर तक सीमित अभिनेत्री नहीं हैं। चित्रांगदा सिंह का जन्म 30 अगस्त 1976 को हुआ था। उनका बचपन मेरठ, कोटा और बरेली जैसे शहरों में बीता। उनके पिता सेना में अधिकारी थे, इसलिए परिवार को अलग-अलग जगहों पर रहना पड़ा। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा। धीरे-धीरे उन्हें विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में काम मिलने लगा। गुलजार के म्यूजिक वीडियो 'सनसेट प्वाइंट' में नजर आने के बाद उन्होंने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद उनके लिए फिल्मों का रास्ता खुला।

साल 2005 में निर्देशक सुधीर मिश्रा की फिल्म 'हजारों ख्वाहिशें ऐसी' से चित्रांगदा ने बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उन्होंने गीता का किरदार निभाया था। कॉलेज की छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनका किरदार बेहद संवेदनशील था। चित्रांगदा ने इसे इतनी सहजता से निभाया कि दर्शकों और आलोचकों दोनों ने उनकी तारीफ की। पहली ही फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का अवॉर्ड भी मिला।

लेकिन बॉलीवुड में पहली फिल्म की सफलता के बाद सब कुछ आसान नहीं रहा। उनकी अगली फिल्म 'कलः यस्टरडे एंड टुमारो' उम्मीद के मुताबिक नहीं चली। इसके बाद उन्होंने कुछ समय फिल्मों से दूरी बनाई। 2008 में 'सॉरी भाई!' से वापसी की, लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर पाई। इसके बाद फिर एक ब्रेक आया।

फिर आया 2011, जिसने चित्रांगदा के करियर को एक नई दिशा दी। सुधीर मिश्रा की 'ये साली जिंदगी' में उन्होंने इरफान खान के साथ काम किया। क्लब सिंगर प्रीति के किरदार में उनका अंदाज काफी अलग था। इसी साल वह अक्षय कुमार के साथ 'देसी बॉयज' में भी नजर आईं। यहां उनका किरदार ग्लैमरस था और फिल्म ने उन्हें बड़े दर्शक वर्ग तक पहुंचाया।

इसके बाद चित्रांगदा ने लगातार अलग-अलग तरह के किरदार आजमाए। 'इंकार' में उन्होंने महत्वाकांक्षी माया का किरदार निभाया, जबकि 'आई, मी और मैं' में वह करियर को लेकर गंभीर महिला के रूप में नजर आईं। उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार में बांधकर नहीं रखा। कभी वह स्पेशल अपीयरेंस में दिखीं, तो कभी डांस नंबर का हिस्सा बनीं। साल 2018 उनके करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव लेकर आया। उन्होंने सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय ही नहीं किया, बल्कि 'सूरमा' के जरिए निर्माता के तौर पर भी कदम रखा। भारतीय हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह की जिंदगी पर बनी इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इसी साल वह 'साहेब, बीवी और गैंगस्टर 3' में भी नजर आईं।

इसके बाद चित्रांगदा ने डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख किया। 2022 में वह 'मॉडर्न लव मुंबई' में नजर आईं। 2021 की फिल्म 'बॉब बिस्वास' में उन्होंने मैरी बिस्वास का किरदार निभाया। यह भूमिका भी उनके पहले के ग्लैमरस किरदारों से काफी अलग थी। 2023 में 'गैसलाइट' में उन्होंने रुक्मिणी का किरदार निभाया, जिसमें रहस्य और भावनाओं की कई परतें थीं।

2025 में आई 'खाकीः द बंगाल चैप्टर' में चित्रांगदा ने एक प्रभावशाली राजनीतिक किरदार निभाया। इस भूमिका में उनका अंदाज पहले से बिल्कुल अलग दिखाई दिया। पर्दे पर उनका आत्मविश्वास और राजनीतिक तेवर चर्चा में रहे।

सिंटा विवाद पर कुनिका सदानंद बोलीं-

दूसरों पर हावी रहना चाहती हैं पूनम ढिल्लो

मुंबई सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) की तरफ से हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद अभिनेत्री कुनिका सदानंद ने मीडिया से विशेष बातचीत की। इसमें उन्होंने साफ किया कि वे सिंटा की सदस्या होने के नाते यह कहना चाहूंगी कि घमंड को साइड में रखकर काम पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा, बहुत दुखद बात है सिंटा में ये जो सब हो रहा है, उसे देखकर लगता है कि हम लोग मुद्दे से भटकर आपस के मनमुटाव, अहंकार को लेकर लड़ रहे हैं जबकि सिंटा भलाई के लिए बना था, तो उस पर ध्यान देना चाहिए और जब आप सेवा में उतरते हैं, तो अहंकार को साइड में रखकर काम किया जाता है।

सिंटा के बाकी मेंबर्स की ओर से पूनम ढिल्लो और पद्मिनी पर लगाए गए आरोपों को लेकर अभिनेत्री ने कहा, देखिए, मैं पूनम ढिल्लो को पर्सनली जानती हूं और पद्मिनी जो को तो अच्छे से नहीं जानती हूं लेकिन पूनम जी को मैं काफी सालों से जानती हूं। उनके अंदर डोमिनेटिंग नेचर है और इस तरह का व्यवहार करते हुए भी टीम को लेकर चला जा सकता है। इस तरह का व्यवहार लीडरशिप के लिए अच्छा होता है लेकिन ये तभी चल सकता है, जब आप बाकी टीम को लेकर चल सकें। एक आदमी कभी कुछ अकेला नहीं कर सकता है।

उन्होंने बताया, मैं पिछले दो एजीएम में नहीं गई थी और उनके साथ मैं एक एजीएम में गई हूं। जब वो इलेक्ट होकर आई थीं, तो बहुत बुरी तरह से लोगों से बात कर रही थीं। तो मैंने सोचा क्या फायदा अपने दिन का चार घंटा बरबाद करने का क्योंकि सुनने वाला तो कोई है नहीं। इसके बाद से मैंने जाना बंद कर दिया था। पिछले दो एजीएम से मैं नहीं गई हूं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिंटा के इलेक्शन को लेकर बात कही गई थी, जिसे लेकर उन्होंने कहा, देखिए अब इनकी बात हुई और इनके पास शायद टीम होगी। मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि कोई भी आए लेकिन मैं सही को सही और गलत को गलत ही कहूंगी।

एक एक्टर के तौर पर हमें बस काम में बेस्ट देना होता है। कभी यह मत सोचो कि अगर मैं इस तरह का काम करूंगा, तो वैसा ही काम मिलेगा या अगर दूसरे तरीके का काम करूंगा, कुछ उस तरह का काम मिलेगा। वो जमाने चले गए।' उन्होंने कहा, 'आपको कभी नहीं पता होता कि प्रोड्यूसर या डायरेक्टर कौन है, वे आपको कहां देखेंगे या वो किस तरह से आपको नोटिस करेंगे। मैं, तो इस पर विश्वास रखता हूं कि कोई गॉडफादर नहीं है, जो मुझसे इतनी बड़ी रकम की फिल्म करवाएगा। इसलिए मैं अपने हर प्रोजेक्ट में बेस्ट देता हूं। फिर, चाहे वह कोई ऐड हो, कोई वर्टिकल शो, कोई फिल्म या कोई टीवी शो ही क्यों न हो।'

बस ईमानदारी से काम करना चाहिएः जान खान

अभिनेता जान खान इन दिनों टीवी सीरियल 'दिल से दीवानगी तक' में नजर आ रहे हैं। अभिनेता का मानना है कि एक एक्टर का कोई मीडियम नहीं होता, उसे बस अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए। अभिनेता ने बताया कि एक एक्टर को हमेशा समय के साथ चलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने फिल्में, वेब शो, गाने और टीवी पर काम किया है। मैं अब वर्टिकल शो कर रहा हूं, शायद कल कुछ और भी कर सकता हूं। एक एक्टर के तौर पर हमें बस काम में बेस्ट देना होता है। कभी यह मत सोचो कि अगर मैं इस तरह का काम करूंगा, तो वैसा ही काम मिलेगा या अगर दूसरे तरीके का काम करूंगा, कुछ उस तरह का काम मिलेगा। वो जमाने चले गए।' उन्होंने कहा, 'आपको कभी नहीं पता होता कि प्रोड्यूसर या डायरेक्टर कौन है, वे आपको कहां देखेंगे या वो किस तरह से आपको नोटिस करेंगे। मैं, तो इस पर विश्वास रखता हूं कि कोई गॉडफादर नहीं है, जो मुझसे इतनी बड़ी रकम की फिल्म करवाएगा। इसलिए मैं अपने हर प्रोजेक्ट में बेस्ट देता हूं। फिर, चाहे वह कोई ऐड हो, कोई वर्टिकल शो, कोई फिल्म या कोई टीवी शो ही क्यों न हो।'

अभिनेता का कहना है कि वे अपने काम के जरिए ही दर्शकों को प्यार दिखाते हैं। उन्होंने कहा, 'साल के लगभग हर दिन काम करना आसान नहीं है, लेकिन मुझे जो काम करना पसंद है, वह मुझे पसंद है।'

जब अभिनेता से आईएएनएस ने सवाल किया, 'आपको क्या लगता है कि शो खत्म होने के बाद दर्शक आपको किस तरह से याद करेंगे?'

अभिनेता ने कहा, 'मेरा मानना है कि दर्शकों को याद रहेगा कि शायद पहली बार उन्होंने वर्टिकल फॉर्मेट में जहान जैसा किरदार देखा था। ये लड़का हर जगह है, सिया, अबीर, शिवाय के साथ। मेरे प्रोड्यूसर, तबरेज सर ने मुझे शुरुआत में ही कहा था कि जहान आसान किरदार नहीं है। उन्होंने मुझसे कहा था कि इस किरदार के बारे में अच्छे से सोचो क्योंकि यह किरदार मुझसे बहुत कुछ डिमांड करेगा। यह कोई आम वर्टिकल शो नहीं है जिसे हम जल्दी शूट करके खत्म कर देते हैं। जहान का एक सफर है और हम उसे वो सफर देने वाले हैं।'

अभिनेता ने अपनी दिली इच्छा जाहिर करते हुए बताया कि वे भविष्य में इंटेंस लव स्टोरी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं एक ऐसा किरदार निभाना चाहता हूं, जिसे लोग महसूस करें कि अगर ऐसा प्यार है, तो प्यार इतना इंटेंस होना चाहिए। मुझे इमोशनल सीन करने में भी मजा आता है। मुझे लगता है कि हर किसी को अपनी ताकत पता होनी चाहिए। पर्सनली, मुझे लगता है कि मैं लोगों को रुला सकता हूं क्योंकि मैं बहुत रोता हूं और असल जिंदगी में मैं बहुत इमोशनल इंसान हूं।'

अभिनेता ने बताया कि वीर-जारा उनकी फेवरेट फिल्म है।

अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने फिल्म 'रिफ्यूजी' के पहले क्लोजअप शॉट को याद करते हुए कहा कि उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि करीना एक सुपरस्टार बनने वाली है। करिश्मा कपूर ने कहा कि फिल्म 'रिफ्यूजी' के डायरेक्टर जेपी दत्ता, पिता एक्टर रणधीर कपूर के असिस्टेंट रह चुके थे।

बुर्का उठाते ही पता चल गया था करीना सुपरस्टार बनेगी : करिश्मा कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर अपने सशक्त, बहुमुखी और सहज अंदाज के लिए बॉलीवुड में विशेष स्थान रखती हैं। उनकी बड़ी बहन करिश्मा कपूर ने बताया कि उन्हें एहसास हो गया था कि करीना सुपरस्टार बनने के लिए ही आई हैं। अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने फिल्म 'रिफ्यूजी' के पहले क्लोजअप शॉट को याद करते हुए कहा कि उन्हें उसी वक्त एहसास हो गया था कि करीना एक सुपरस्टार बनने वाली है। करिश्मा कपूर ने कहा कि फिल्म 'रिफ्यूजी' के डायरेक्टर जेपी दत्ता, पिता एक्टर रणधीर कपूर के असिस्टेंट रह चुके थे। उन्होंने कहा, 'जेपी दत्ता सर मेरे पापा के असिस्टेंट थे और फिर जेपी दत्ता सर ने करीना को लॉन्च किया। हम शूटिंग में गए थे और करीना का पहला क्लोज-अप हो रहा था और वे अपना बुर्का ऊपर कर रही थीं, जिसे देखकर लगा कि करीना सुरपरस्टार बनने वाली हैं। मुझे लगता है करीना अपनी आंखों से गजब एक्सप्रेशन

देती हैं , वो कैसे करती हैं पता नहीं लेकिन वो एक अलग लेवल का होता है।'

करिश्मा ने यह भी बताया कि बड़े होते समय बहनें अपनी पर्सनैलिटी के मामले में कितनी अलग थीं। खुद को सिंपल बताते हुए उन्होंने कहा कि करीना जोशीली और बोल्ड हैं। उन्होंने कहा, 'मैं थोड़ी सी सिंपल टाइप की हूं और करीना काफी डैशिंग टाइप की लड़की है। आम तौर पर ये होता है, बड़े बच्चे थोड़े सिंपल होते हैं और छोटे वाले काफी हॉट-ब्लडेड होते हैं। हर समय मुझे अपनी मां से बहन को बचाना पड़ता था।' बता दें कि करिश्मा कपूर और करीना कपूर दोनों को बॉलीवुड की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक माना जाता है। दोनों एक्ट्रेस मशहूर एक्टर राज कपूर की पोती और एक्टर रणधीर कपूर और बबीता की बेटियां हैं। करिश्मा ने 90 के दशक की शुरुआत में बॉलीवुड में डेब्यू किया था जबकि करीना ने वर्ष 2000 में एक्टिंग में कदम रखा था।

नरेंद्र रघुवंशी बने नरसिंहपुर जिला कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष

साधना एक्सप्रेस नरसिंहपुर

मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड में संगठनात्मक विस्तार के तहत नरेंद्र रघुवंशी (नरेश) को नरसिंहपुर जिला कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

बताया गया कि यह नियुक्ति मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अविनाश भार्गव, कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजेन्द्र तिवारी की अनुमति तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सुनीता पटेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एन.पी. प्रजापति, पूर्व विधायक संजय शर्मा, पूर्व विधायक सुनील जायसवाल एवं संगठन मंत्री दीवान शैलेन्द्र सिंह की अनुशंसा से की गई है।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष नरेंद्र रघुवंशी से संगठन को उम्मीद है कि वे अपनी जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

जिला कांग्रेस सेवादल नरसिंहपुर के अध्यक्ष अतुल चौरसिया सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नरेंद्र रघुवंशी को उनके नए दायित्व के लिए बधाई देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

जन्म दिवस पर विशेष

सेवा, विकास और जनकल्याण की राजनीति के पर्याय बने मंत्री गोविंद सिंह राजपूत

साधना एक्सप्रेस भोपाल

संदीप सिंह गहरवार मध्यप्रदेश की राजनीति में ऐसे जनप्रतिनिधियों की अपनी अलग पहचान होती है, जो राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम न मानकर जनसेवा का साधन बनाते हैं। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का राजनीतिक सफर भी इसी सोच और कार्यशैली के लिए जाना जाता है। सेवा, विकास और जनकल्याण को केंद्र में रखकर जनता से सीधा संवाद, क्षेत्र के विकास पर निरंतर जोर और जनसमस्याओं के समाधान की सक्रिय पहल ने अपने क्षेत्र के साथ मध्यप्रदेश की राजनीति में एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जनता के साथ उनका सीधा जुड़ाव माना जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर नगरीय इलाकों तक आम नागरिकों की समस्याओं को सुनना, कार्यकर्ताओं से संवाद बनाए रखना और विकास से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना उनकी राजनीतिक कार्यशैली का हिस्सा रहा है। यही कारण है कि समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी सक्रियता को लेकर सकारात्मक धारणा बनी है।

*विकास को प्राथमिकता, जनसंवाद को अहमियत : -

किसी भी क्षेत्र की प्रगति के लिए सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाएं महत्वपूर्ण होती हैं। क्षेत्रीय विकास को लेकर लगातार प्रयास करना उनकी राजनीति का प्रमुख आधार रहा है। विकास कार्यों को गति देने के साथ-साथ स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं को आगे बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है।

उनकी कार्यशैली में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि विकास केवल बड़े निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो या युवाओं के लिए अवसरों का निर्माण, महिलाओं से जुड़े मुद्दे हों या किसानों की आवश्यकताएं, जनकल्याण के विभिन्न पहलुओं को राजनीतिक प्राथमिकताओं से जोड़ने की कोशिश उनकी राजनीति को अलग स्वरूप देती है।

राजनीति में जनप्रतिनिधि और जनता के बीच संवाद लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने अपने राजनीतिक जीवन में इस संवाद को महत्व दिया है। क्षेत्रीय दौरे, कार्यकर्ताओं से मुलाकात और आम लोगों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनने की शैली ने उन्हें जमीनी राजनीति से जोड़े रखा है। उनकी राजनीति में कार्यकर्ताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। संगठन के स्तर पर कार्यकर्ताओं से निरंतर संपर्क और स्थानीय मुद्दों की जानकारी लेकर उन्हें प्रशासनिक स्तर तक पहुंचाना जनप्रतिनिधित्व की उस परंपरा को मजबूत करता है, जिसमें जनता की आवाज को प्राथमिकता दी जाती है।

जनकल्याण को बनाया राजनीति का आधार : - आज के दौर में राजनीति में विकास के साथ सामाजिक सरोकार भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जरूरतमंद परिवारों की सहायता, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, महिलाओं एवं युवाओं के लिए अवसर और कमजोर वर्गों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच, ऐसे विषय हैं जिनका सीधा संबंध आम नागरिक के जीवन से है।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की राजनीतिक छवि को इसी जनकल्याणकारी दृष्टिकोण से जोड़कर देखा जाता है। उनके समर्थकों का मानना है कि राजनीति का वास्तविक उद्देश्य समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना होना चाहिए और इसी सोच को उन्होंने अपनी कार्यशैली में स्थान दिया है।

संगठन और क्षेत्र के बीच मजबूत तालमेल : - एक सफल राजनेता के लिए केवल प्रशासनिक अनुभव पर्याप्त नहीं होता। संगठन, कार्यकर्ताओं और जनता के बीच बेहतर तालमेल भी जरूरी है। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की राजनीति में यह समन्वय महत्वपूर्ण दिखाई देता है।

संगठनात्मक गतिविधियों के साथ-साथ क्षेत्रीय मुद्दों पर सक्रिय रहना उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा रहा है। उनकी सक्रियता का एक पहलू यह भी है कि वे स्थानीय समस्याओं को व्यापक विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास करते हैं। यही कारण है कि समर्थकों के बीच उनकी पहचान एक ऐसे नेता के रूप में बनी है, जो राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ क्षेत्रीय विकास को भी लगातार प्राथमिकता देने की कोशिश करते हैं।

बदलते राजनीतिक परिवेश में जनता की अपेक्षाएं भी तेजी से बदल रही हैं। अब मतदाता केवल राजनीतिक वादों से नहीं, बल्कि उनके धरातल पर दिखाई देने वाले परिणामों से जनप्रतिनिधियों का आकलन करता है।

ऐसे में सेवा, विकास और जनकल्याण पर आधारित राजनीति आने वाले समय में और अधिक महत्वपूर्ण होगी।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की राजनीतिक यात्रा में जनता का विश्वास, क्षेत्र की नई आवश्यकताएं, विकास कार्यों की निरंतरता, आम नागरिकों से संवाद को और मजबूत करना उनकी राजनीतिक भूमिका को नई दिशा दे सकता है।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की राजनीति को सेवा और विकास के साथ जोड़कर देखने वाले उनके समर्थकों की संख्या लगातार बनी हुई है। जनसरोकारों को राजनीतिक प्राथमिकताओं से जोड़ने की उनकी शैली ने उन्हें मध्यप्रदेश की राजनीति में एक अलग पहचान दी है।

यही वजह है कि उनके समर्थक उन्हें 'सेवा, विकास और जनकल्याण की राजनीति का पर्याय' मानते हैं।

देवास-भोपाल हाईवे पर दिखने लगी जन्माष्टमी की रौनक, अमलाहा में बढ़ी खरीदारी

साधना एक्सप्रेस देवास

अमलाहा, देवास-भोपाल हाईवेः जन्माष्टमी के त्योहार को लेकर बाजारों में तैयारियां तेज हो गई हैं। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से पहले अमलाहा क्षेत्र में कान्हा की पोशाक, मुकुट, बांसुरी और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ने लगी है। देवास-भोपाल हाईवे पर अमलाहा के पास बस स्टैंड-धामंदा रोड क्षेत्र में लगी इन दुकानों पर आसपास के गांवों के साथ-साथ दूर-दराज से भी लोग बाल गोपाल के लिए खरीदारी करने पहुंच रहे हैं।

दुकानों पर नन्हे कान्हा के लिए अलग-अलग रंग, डिजाइन और आकार की आकर्षक पोशाकें उपलब्ध हैं। इसके साथ ही मुकुट, मोरपंख, बांसुरी, माला और अन्य श्रृंगार सामग्री भी लोगों को आकर्षित कर रही है। परिवार अपनी पसंद के अनुसार घर के मंदिर में विराजमान बाल गोपाल के लिए पोशाक और श्रृंगार का सामान खरीदते नजर आ रहे हैं।

जन्माष्टमी पर घरों और मंदिरों में कान्हा की झांकी सजाने की परंपरा के चलते डेकोरेशन सामग्री की मांग भी बढ़ गई है। बाजार में रंग-बिरंगी लाइट्स, झालरें और झांकी सजाने के लिए विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान दुकानों पर नजर आ रहे हैं।

हाईवे से गुजरने वाले यात्रियों के लिए भी ये दुकानें आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। कई लोग यात्रा के दौरान अमलाहा में रुककर कान्हा की पोशाक और श्रृंगार सामग्री खरीद रहे हैं। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के अलावा दूर से आने वाले परिवार भी यहां रुककर अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं।

दुकानदारों के मुताबिक, जन्माष्टमी नजदीक आने के साथ बाजार में ग्राहकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। खासकर त्योहार से कुछ दिन पहले खरीदारी में और तेजी आने की उम्मीद है।

अमलाहा के बाजार में सजी रंग-बिरंगी कान्हा की पोशाकें, मुकुट और सजावटी सामान अब जन्माष्टमी के उत्साह की झलक दे रहे हैं। बाजार में खरीदारी के लिए पहुंच रहे परिवारों और दुकानों पर सजे नन्हे कान्हा की वजह से पूरे क्षेत्र में त्योहार जैसा माहौल नजर आने लगा है।

शासकीय विद्यालयों में हर्षोल्लास से मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

» विद्यार्थियों ने उत्साह दिखाते हुए भगवान कृष्ण की लीलाओ का किया प्रदर्शन

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) क्षेत्र के विकासखंड साईखेड़ा एवं चीचली के अंतर्गत विभिन्न शासकीय विद्यालयों में डीपीआई के आदेशानुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए मटकी फोड़, रंगोली, नृत्य, चित्रकला, गीता श्लोक वाचन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी बाल लीलाओं से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को अपनी कला और रचनात्मकता के माध्यम से प्रस्तुत किया। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालयों में विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कुछ स्कूलों में विद्यालय परिसर में आकर्षक रंगोलियां बनाई एवं भारतीय संस्कृति, परंपरा और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े संदेशों को भी अभिव्यक्त किया। कुछ स्कूलों में मटकी फोड़ प्रतियोगिता विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। विद्यार्थियों ने उत्साह और उमंग के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसरों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड चीचली के सालीचौका, सूखाखेरी शासकीय प्राथमिक शाला रहमा, शासकीय प्राथमिक शाला सलगापुर, शासकीय माध्यमिक शाला बैरागढ़, बारहबड़ा,पलेरा,शासकीय प्राथमिक शाला गागई, हीरापुर, शासकीय प्राथमिक शाला नारगी, शासकीय माध्यमिक शाला करपगांव, शासकीय प्राथमिक शाला रामखेड़ी एवं शासकीय प्राथमिक शाला ग्वारी सहित अन्य स्कूलों एवं साईखेड़ा ब्लॉक के गाडरवारा, साईखेड़ा,आमगांव छोटा, बमोहरी कलाँ, सांगई, धोखेड़ा, भोरगढ़, जमाड़ा,चामचोंन, टिमरावन सहित अन्य स्कूलों में जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर मटकी फोड़ एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।इन आयोजनों में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कहीं विद्यार्थियों ने आकर्षक रंगोलियां बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, तो कहीं मटकी फोड़ प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक सहभागिता कर श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं की झलक प्रस्तुत की। शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व की जानकारी भी दी गई तथा भारतीय त्योहारों और परंपराओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।विद्यालयों में आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति रुचि विकसित करने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता, सामूहिक सहभागिता, नेतृत्व क्षमता और खेल भावना को प्रोत्साहित करना रहा। जन्माष्टमी के आयोजन से विद्यालयों में उत्साहपूर्ण एवं आनंदमय वातावरण निर्मित हुआ। विदित हों कि कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अनुशासन, उत्साह और सहभागिता का परिचय देते हुए पर्व की खुशियों को साझा किया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच प्रदान करती हैं।

भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

साधना एक्सप्रेस रीवा

भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय, दिव्यगवां में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन हर्ष एवं उल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आराधना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों के लिए मटकी फोड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी/टीम को महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दिनेश कुमार यादव द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, व्यक्तित्व एवं आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें कर्तव्यनिष्ठा, कर्मयोग, सत्य, साहस, नेतृत्व एवं विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

विद्यार्थियों को उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. सत्य पाण्डेय द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम को आगे बढ़ाने एवं सफल संचालन में डॉ. अरुरेश प्रताप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ. अरुरेंद्र पाण्डेय, डॉ. राघवेश सिंह राठौर, डॉ. राजेश कुमार बुनकर, डॉ. गौरव द्विवेदी, डॉ. ज्ञानेन्द्र पाठक, डॉ. वियोग यादव, डॉ. दीपक चौरसिया, डॉ. बी. पी. सिंह सहित समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं महाविद्यालय के कर्मचारी बृजेश सिंह, नीतू यादव, भार्गव द्विवेदी, विकास दुबे एवं मोनू यादव उपस्थित रहे।

समस्त महाविद्यालय परिवार की सहभागिता से कार्यक्रम अत्यंत उत्साहपूर्ण एवं आनंदमय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

राखी का धागा राष्ट्र के लिए समर्पित हर उस व्यक्ति के प्रति स्नेह, सम्मान और कृतज्ञता का बंधन है

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) जब रक्षा सूत्र का बंधन सामाजिक और आर्थिक मापदंड के ऊपर की सोच रखने लगे इस तरह का उदाहरण विगत दिवस देखने को मिला जो एक प्रकार से मानवता की प्रबल भाव भावनाऐं और प्रेरणा दर्शाती है मान. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल जी के मार्गदर्शन एवं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे जी के नेतृत्व में प्रदेशभर में रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान महिला मोर्चा की कार्यकर्ता बहनों द्वारा कार्यकर्ता भाइयों, सफाई कर्मचारियों (महिला एवं पुरुष), स्कूल शिक्षकों (महिला एवं पुरुष), अस्पताल कर्मचारियों (महिला एवं पुरुष), साधु-संतों, ऑटो रिक्शा चालकों एवं पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की जा रही है।

इसी क्रम में गाडरवारा में पुलिस अधीक्षक श्री अशोक सिंह चौहान जी एवं अन्य उपस्थित पुलिसकर्मियों को महिला मोर्चा की बहनों द्वारा राखी बांधी गई तथा नगर की सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के लिए उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की गई।

इस अवसर पर प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी श्रीमती स्मृति देवेश जैन, भाजपा मंडल मंत्री श्रीमती प्रीति राजा नीखरा, भाजपा मंडल मंत्री श्रीमती रुचि राकेशिया, गाडरवारा जैन समाज अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जैन एवं श्रीमती रेखा खजांची जी सहित अन्य कार्यकर्ता बहनें उपस्थित रहीं।

राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा में समर्पित हर प्रहरी को नमन।

राखी के इस पावन बंधन के साथ—आपके प्रति हमारा सम्मान और आभार।

जिले के 2 शिक्षकों को मिलेगा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान

साधना एक्सप्रेस गाडरवारा

(राजेश नीरस) 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार -2026' हेतु शिक्षकों की चयन सूची आयुक्त लोक शिक्षण द्वारा जारी की गई है। सूची मे जिले से 2 शिक्षकों का चयन राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार - 2026' हेतु किया गया है। सूची में प्राथमिक श्रेणी वर्ग (कक्षा 1 से 8) में सुश्री शिखा शर्मा माध्यमिक शिक्षक शा मा शाला लौकीपार तथा माध्यमिक श्रेणी वर्ग (कक्षा 9 से 12) में मनीष शंकर तिवारी माध्यमिक शिक्षक शासकीय सांदीपनी विद्यालय साईंखेड़ा का चयन हुआ है। उक्त दोनों शिक्षक स्वर्ण जयंती आडीटोरियम भोपाल में 5 सितंबर को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किये जायेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490, प्रबंध संपादक आशीष नेमा मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698